डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक   प्रयागराज से प्रकाशित   हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com   www.jjnews.in   प्रयागराज,गुरूवार 2 मार्च,2023   वर्ष—07 / अंक—286 प्रष्ठ—08 / मूल्य—2 रूपये

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विजय संकल्प यात्रा को किया रवाना, सीएम बोम्मई-येदियुरप्पा भी रहे मौजूद

कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रचार अभियान में तेजी लाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को राज्य भर में चार अलग—अलग दिशाओं से अपनी शविजय संकल्प यात्राश की शुरुआत की। उन्होंने भाजपा का झंडा दिखाकर यात्रा के लिए पार्टी के नेताओं के विशेष रथ को रवाना किया।

जहां जेपी नड्डा ने आज एक रथ रवाना किया है, वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो मार्च को बेलगावी जिले के नंदागढ़ से यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन मार्च को तीसरी और चौथी यात्रा की शुरुआत बीदर जिले के बसवकल्याण से और देवनहल्ली के अवाथी से सुबह और दोपहर में करेंगे।यात्रा शुरू करने के लिए आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के संसदीय बोर्ड के सदस्य बी एस येदियुरप्पा, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील और राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि के शामिल होने की भी खबरें हैं।पार्टी नेताओं के अनुसार, इस अभियान में 50 से अधिक राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय नेता हिस्सा लेंगे, जो राज्य के सभी 31 जिलों और 224 निर्वाचन क्षेत्रों को कवर करेगा। यात्रा के तहत 8,000 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। इस दौरान 80 से ज्यादा रैलियों, 74 जनसभाओं, लगभग 150 रोड शो की योजना बनाई गई है। इस यात्रा से भाजपा राज्य के चार करोड़ लोगों तक पहुंचने की उम्मीद कर रही है। वहीं, बीस दिनों तक चलने वाली इस यात्रा का समापन 25 मार्च को दावणगेरे में एक विशाल रैली के साथ होगा। इस रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे।

लंदन पहुंचते ही भारत जोड़ो यात्रा वाला लुक छोड़ा, हल्की दाढ़ी-छोटे बाल में दिखे कूल

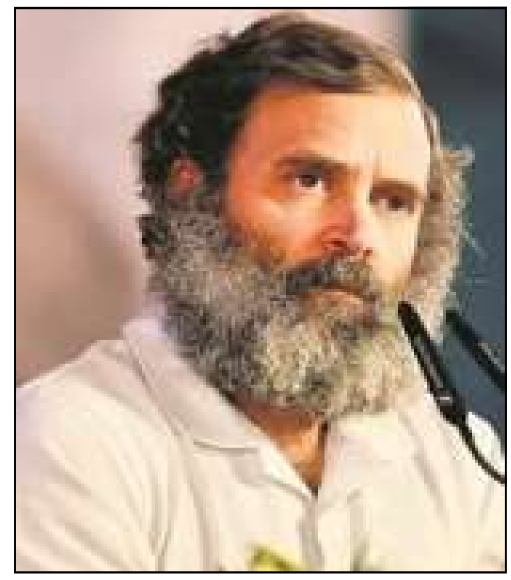

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अपने लंबे बाल और दाढ़ी वाले लुक में दिखने के बाद राहुल गांधी का नया लुक सामने आया है। यह लुक उन्होंने लंदन में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम में पहुंचने से पहले ही रखा है। सोशल मीडिया पर जो तस्वीर वायरल हो रही हैं, उनमें राहुल गांधी को छोटे बाल और ट्रिम्ड दाढ़ी—मूछों में देखा जा सकता है। राहुल यहां अपनी ट्रेडमार्क सफेद टी—शर्ट की जगह कोट—टाई में नजर आए। उनका यह लुक सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।

गौरतलब है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ब्रिटेन की हफ्तेभर की यात्रा पर हैं। यहां वे कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में एक संबोधन देंगे और भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ बातचीत करेंगे। कैंब्रिज जज बिजनेस स्कूल' (कैम्ब्रिज जेबीएस) में विजिटिंग फेलो के तौर पर राहुल श21वीं सदी में सुनना—सीखनाश विषय पर व्याख्यन देंगे।कैंब्रिज जेबीएस ने मंगलवार को ट्वीट किया, ''हमारे कैम्ब्रिज एमबीए कार्यक्रम को भारत के अग्रणी विपक्षी नेता और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी का स्वागत करके बहुत खुशी हुई।'' ट्वीट में कहा गया, ''वह आज '21वीं सदी में सुनना सीखना' विषय पर कैम्ब्रिज जेबीएस के विजिटिंग फेलो के तौर पर बोलेंगे।

च्ड मोदी बोले- 21वीं सदी में भारत की पहचान बनेंगे नियोजित शहर, तेजी से हो रहा शहरीकरण

विस्तार शहरी नियोजन, विकास और स्वच्छताश पर बजट के बाद वेबिनार में पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि नए शहर विकसित हो रहे हैं, जो इक्कीसवीं सदी में भारत की एक नई पहचान बनाएंगे। भारत का तेजी से शहरीकरण हो रहा है, ऐसे में बुनियादी ढांचे का निर्माण करना जरूरी है, जो भविष्योन्मुखी हो।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये दुर्भाग्य रहा है कि आजादी के बाद हमारे देश में एक्का—दुक्का ही नियोजित शहर (Planned City) बने। आजादी के 75 वर्षों में देश में 75 नए और बड़े नियोजित शहर बने होते तो आज भारत की तस्वीर कुछ और ही होती। उन्होंने कहा, अमृत काल में शहरी नियोजन (Urban Planning) ही हमारे शहरों का भविष्य तय करेगी और भारत के अच्छी तरह से नियोजित शहर ही भारत के भाग्य को निर्धारित करेंगे। उन्होंने आगे कहा, हमारी सरकार ने अपने प्रत्येक बजट में शहरी विकास पर बहुत ध्यान दिया है। मौजूदा बजट में इसके लिए महत्वपूर्ण राशि मंजूर की गई है और मुझे पूरा भरोसा है कि यह महत्वपूर्ण योजना देश में एक सुव्यवस्थित शहरी क्षेत्र की शुरुआत करेगा।उन्होंने कहा, शहरी नियोजन और शहरी शासन, दोनों शहरी विकास में एक अहम भूमिका निभाते हैं। संबंधित प्रक्रियाओं का अकुशल कार्यान्वयन देश के विकास की राह में एख बड़ी बाधा के रूप में सामने आता है। खासतौर पर शहरी क्षेत्रों के विकास को सुनिश्चित करते हुए इलाके में रहने वालों के विकास को सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है।

सिसोदिया से तुरंत और सत्येंद्र जैन से नौ महीने बाद क्यों लिया गया इस्तीफा जानें केजरीवाल की सियासत

दिल्ली की सियासत में इन दिनों हलचल तेज है। रविवार को सीबीआई की गिरफ्त में आए दिल्ली के उप—मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। सिसोदिया के साथ सत्येंद्र जैन का भी इस्तीफा हो गया। जैन पिछले नौ महीने से जेल में बंद हैं और अब तक उनके पास मंत्री पद था।

ऐसे में अब सवाल उठने लगा है कि आखिर मनीष सिसोदिया से गिरफ्तारी के दो दिन के भीतर जबकि सत्येंद्र जैन से नौ महीने बाद क्यों इस्तीफा लिया गया? इसके पीछे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की क्या सियासत है? केजरीवाल सरकार का आगे क्या होगा? सिसोदिया के विभाग किसके पास जाएंगे? आइये जानते हैं३

पहले जानिए अब तक दोनों मामलों में क्या—क्या हुआ?

नई शराब नीति के लिए कारोबारियों को फायदा पहुंचाने के मामले में दिल्ली के उप—मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने रविवार को गिरफ्तार किया था। सोमवार को कोर्ट में पेश कर पांच दिन की रिमांड हासिल कर ली थी। सीबीआई की इस कार्रवाई के खिलाफ मंगलवार को सिसोदिया सुप्रीम कोर्ट पहुंचे लेकिन वहां से उन्हें राहत नहीं मिली। कोर्ट ने उन्हें हाईकोर्ट जाने की सलाह दे दी। इसके बाद शाम को अचानक से सिसोदिया ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपना इस्तीफा भेज दिया। उधर, मनी लॉन्ड्रिंग केस में पिछले नौ महीने से तिहाड़ जेल में बंद सत्येंद्र जैन ने भी इस्तीफा दे दिया। जैन ने लंबे समय तक जेल से ही स्वास्थ्य मंत्री का भी कामकाज संभाला था। हालांकि, बाद में उनसे स्वास्थ्य विभाग लेकर मनीष सिसोदिया को दे दिया गया था। सिसोदिया के पास दिल्ली के 33 में से 18 विभाग थे। अब चूंकि सिसोदिया खुद कानून के शिकंजे में फंसे हुए हैं। ऐसे में दोनों को मंत्री पद छोड़ना पड़ा।

सिसोदिया का इस्तीफा दो दिन के अंदर, जैन के मामले में नौ महीने क्यों लग गए? इसे समझने के लिए हमने राजनीतिक विश्लेषक प्रो. अजय कुमार सिंह से बात की। उन्होंने इसके पीछे दो अहम कारण बताए1. कामकाज प्रभावित होता रू सत्येंद्र जैन के पास स्वास्थ्य के साथ—साथ पांच अन्य विभाग भी थे। इनमें पीडब्ल्यूडी, बिजली, इंडस्ट्री, शहरी विकास और जल विभाग शामिल है। जैन को जब ईडी ने जेल भेजा तो लंबे समय तक वह इन विभागों के मंत्री बने रहे। तब अफसर जेल में जाकर फाइलों पर हस्ताक्षर लेते थे। जेल से ही जैन मंत्रालय चलाते थे। हालांकि, बाद में जब दिक्कतें बढ़ने लगीं और विरोध शुरू हो गया तो जैन से सारे विभाग ले लिए गए। इनमें से स्वास्थ्य विभाग मनीष सिसोदिया को दे दिया गया जबकि अन्य विभाग दूसरे मंत्रियों में बांट दिया गया। लेकिन सिसोदिया के मामले में बात अलग है। सिसोदिया के पास कुल 18 विभाग थे। ऐसे में सरकार का कामकाज प्रभावित होना लाजिम था। यही कारण है कि सिसोदिया से तुरंत सारे विभाग लेकर दूसरे मंत्रियों में बांट दिए गए। अभी अगर केवल सिसोदिया से इस्तीफा लिया जाता तो भी कई तरह के सवाल उठते। ऐसे में जैन से भी केजरीवाल सरकार ने इस्तीफा ले लिया। 2. विपक्ष का दबाव और विरोध बढ़ने का डर था रू पहले से ही अरविंद केजरीवाल सरकार कई तरह के विवादों में घिरी हुई है। सरकार के मंत्रियों पर कई गंभीर आरोप लगे हैं। ऐसे में अगर सिसोदिया और जैन से इस्तीफा नहीं लिया जाता तो विपक्ष का विरोध और बढ़ जाता। जनता के बीच भी बदनाम होने का डर केजरीवाल सरकार को सता रहा था। तो दोनों को बिना विभाग का मंत्री बना देतेपिछले कई महीनों से सत्येंद्र जैन तिहाड़ जेल में बंद होने के बावजूद मंत्री बने हुए थे। ऐसे में सवाल ये भी उठता है कि सिसोदिया के साथ भी ऐसा किया जा सकता था। मतलब सिसोदिया से भी उनके सारे विभाग ले लिए जाते और उन्हें बिना विभाग के मंत्री बने रहने दिया जाता।

त्रिपुरा, मेघालय, नगालैंड में ताकत से क्यों नहीं लड़ी कांग्रेस, लोकसभा चुनाव के लिए इसके क्या मायने

नॉर्थ ईस्ट के तीन अहम राज्यों में सोमवार को मतदान खत्म हो गए। मेघालय और नगालैंड में 27 फरवरी, जबकि त्रिपुरा में 16 फरवरी को वोटिंग हुई। अब तीनों राज्यों के चुनावी नतीजे दो मार्च को एकसाथ आएंगे। ऐसे में हर किसी की निगाहें इन्हीं नतीजों पर टिकी होंगी। हालांकि, इसके पहले सोमवार को कई एजेंसियों ने एग्जिट पोल के नतीजे जारी किए। इसमें अनुमान लगाया गया है कि त्रिपुरा और नगालैंड में भाजपा गठबंधन सरकार बनाने जा रहा है, जबकि मेघालय में पेंच फंसता दिखाई दे रहा है। यहां किसी भी पार्टी या गठबंधन को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने का अनुमान है।

एग्जिट पोल के नतीजों ने सबसे ज्यादा कांग्रेस को लेकर चौंकाने वाला अनुमान लगाया है। एक समय था जब पूर्वोत्तर के इन राज्यों में कांग्रेस का ही दबदबा हुआ करता था, लेकिन अब यहां से कांग्रेस साफ होती दिख रही है। आलम ये है कि चुनाव वाले तीनों राज्यों में कांग्रेस दहाई का आंकड़ा छूती भी नहीं दिख रही है। नगालैंड में तो एग्जिट पोल एक भी सीट जीतना मुश्किल बता रहे हैं।

ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इन चुनावों में पूरी ताकत के साथ कांग्रेस क्यों नहीं मैदान में उतरी? कभी सूबे पर राज करने वाली कांग्रेस ने गठबंधन के समय खुद को इतना सीमित क्यों कर लिया? आइए समझते हैं.

क्या कांग्रेस ने मजबूती से नहीं लड़ा चुनाव?

त्रिपुरा में राहुल गांधी ने एक भी जनसभा को संबोधित नहीं किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी त्रिपुरा में कांग्रेस के लिए प्रचार नहीं किया। नगालैंड में भी राहुल गांधी ने प्रचार नहीं किया। राहुल सिर्फ मेघालय में एक चुनावी रैली को संबोधित करने गए। वहीं, दूसरी ओर भाजपा की तरफ से तीनों ही राज्यों में पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 10 से ज्यादा रैलियों को संबोधित किया।

कांग्रेस ने पूर्वोत्तर में क्यों नहीं दिखाया दम?

इसे समझने के लिए हमने वरिष्ठ पत्रकार अशोक श्रीवास्तव से बात की। उन्होंने कहा केंद्रीय नेतृत्व शायद उन इन चुनाव में हार का ठीकरा अपने सिर नहीं लेना चाहता था। राहुल, खरगे समेत सभी बड़े नेता इससे दूर रहने की बड़ी वजह यह हो सकती है। अशोक बताते हैं कि जिन तीन राज्यों में चुनाव हुए, उनमें से दो में पिछली बार कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी। ये राज्य त्रिपुरा और नगालैंड हैं। कांग्रेस को इस बार भी यहां ज्यादा उम्मीद नहीं थी। यही कारण है कि त्रिपुरा में कांग्रेस ने खुद से कहीं ज्यादा सीटें लेफ्ट को दे दी। वहीं, नगालैंड में भी बेमन से चुनाव लड़ लिया। हालत यह रही कांग्रेस को उतारने के लिए उम्मीदवार तक नहीं मिले। पार्टी केवल 23 सीट पर चुनाव लड़ी। रही बात मेघालय की तो यहां पिछली बार कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। यही कारण है कि राहुल यहां एक रैली करने पहुंचे। हालांकि, यहां भी पार्टी की हालत खराब है। पार्टी के ज्यादातर नेता दूसरी पार्टियों में जा चुके हैं। 2018 तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे मुकुल संगमा भी टीएमसी का दामन थाम चुके हैं।

2024 में इसका क्या असर होगा?

अशोक कहते हैं की संभव है कि ये एक तरह से कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा भी हो। विधानसभा चुनाव में क्षेत्रीय दलों को महत्व देकर वह लोकसभा चुनाव में उनसे मदद की अपेक्षा रख रही हों। जिन—जिन राज्यों में कांग्रेस सीधी लड़ाई में है, वहां तो वह अकेले दम पर लड़ रहे हैं लेकिन जहां कांग्रेस कमजोर है वहां वह विपक्ष के अन्य क्षेत्रीय दलों का साथ ले रहे हैं।

वहीं, वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद कुमार सिंह कहते हैं, श्इस वक्त विपक्ष में एकजुटता नहीं है। ऐसे में कांग्रेस क्षेत्रीय दलों को महत्व देकर खुद लोकसभा चुनाव में इनका साथ चाह रही हो। भाजपा के खिलाफ क्षेत्रीय दलों का पूरा ग्रुप बनाने की कोशिश भी हो सकती है। इसके जरिए वह हर क्षेत्र, हर जाति पर फोकस करना चाह रहे होंगे। हालांकि, ये इतना आसान भी नहीं है। मौजूदा समय विपक्ष में कई गुट बने हुए हैं।

अब जानें एग्जिट पोल में तीनों राज्यों के लिए क्या अनुमान लगाए गए हैं?

त्रिपुरा रू त्रिपुरा में एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने का अनुमान लगाया जा रहा है। बहुमत का आंकड़ा 31 है। तमाम एग्जिट पोल में इसको लेकर दावे किए गए हैं।

गांधी शिल्प बाजार, देशभर के हस्तशिल्प कला से रुबरु हो रहे कुरुक्षेत्रवासी

महाबीर गुड्डू ने की शिल्प मेले में शिरकत, कलाकारों की कला को सराहा।

कुरुक्षेत्र रू हरियाणा कला परिषद के प्रांगण में आयोजित दस दिवसीय गांधी शिल्प बाजार में तीसरे दिन भी पर्यटक शिल्पकारों से सामान खरीदने भारी संख्या में पहुंचे। सैलानी जहां खान–पान की दुकानों पर पहुंच रहे थे तो वहीं घर की शोभा बढ़ाने के लिये कला कीर्ति भवन में लगे शिल्प मेले में पहुंचकर जमकर खरीदारी कर रहे थे। हरियाणा कला परिषद के अतिरिक्त निदेशक तथा राष्ट्रपति के कर–कमलों से संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित लोक कलाकार महाबीर गुड्डू ने भी मेले में शिरकत की।हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन, कार्यालय प्रभारी धर्मपाल गुगलानी, मीडिया प्रभारी तथा शिल्प मेले के नोडल अधिकारी विकास शर्मा, शिवकुमार किरमच, मेले के आयोजक कुंदन सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंटकर महाबीर गुड्डू को संगीत नाटक अकादमी अवार्ड मिलने पर बधाई दी। हस्तशिल्प विकास आयुक्त वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार तथा महिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र सुडियाकुंआ गोरखपुर के सहयोग से हरियाणा कला परिषद द्वारा आयोजित शिल्प बाजार में महाबीर गुड्डू ने देश भर से आए हुए शिल्पकारों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। वहीं मधुबनी पेंटिग और आसाम के केन बेम्बो से बने शिल्पों की भरपूर प्रशंसा की। महाबीर गुड्डू ने राजेश जांगड़ा व उनके विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई कला प्रदर्शनी की भी भरपूर सराहना की। कला प्रदर्शनी में विभिन्न माध्यमों जैसे लकड़ी, पेपरमैशी, वेस्ट मैटीरियल आदि से बने चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। जो मेले को एक अलग ही स्वरुप दे रही है। आमजनमानस पहले दिन से ही इस कला शैली को घण्टो निहार कर जा रहे हैं। इतना ही नहीं विद्यार्थी वर्ग भी अपने अभिभावकों के साथ इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने के बारे में जानकारी भी बटोर रहे हैं। महाबीर गुड्डू ने मेले के दौरान सम्बोंधित करते हुए कहा कि राष्ट्र के निर्माण में हस्तशिल्पियों की भूमिका अन्य वर्गों से कम नहीं है। भारतीय हुनर की पहचान पूरे विश्व में विख्यात है। बिहार की मधुबनी पेंटिंग पूरे देश की पसंद है। अंग प्रदेश की मंजूषा कला घरों के ड्राईग रूम व रेलवे स्टेशनों से लेकर होटलों की दीवारों की शोभा बढ़ा रहे हैं। इस तरह के मेले के आयोजन से हस्तशिल्पियों का मनोबल बढ़ता है और हस्तशिल्प वस्तुओं के चाहने वाले अपनी मनपसंद वस्तुओं को खरीद पाते हैं।

राजस्थानी कलाकारों के संग थिरके पर्यटक।

26 फरवरी से शुरु हुए शिल्प मेले में शाम को एक अलग ही छटा देखने को मिलती है। जहां एक ओर खरीददार अपनी मनपसंद वस्तुओं को खरीद रहे हैं, वहीं कला परिषद के परिसर में लगे झूलों पर भी बच्चे भरपूर आनंद ले रहे है। इसके अलावा उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला की ओर से कच्ची घोड़ी के कलाकार भी दर्शकों को अपने साथ थिरकने पर मजबूर कर देते हैं, वहीं बहरुपिये कलाकार भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हुए पर्यटकों का खूब मनोरंजन कर रहे है। इसके अलावा स्टिक वाक्कर भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। पंजाबी कार्यक्रम से नाट्य रंग उत्सव का शुभारम्भ आज, सांसद नायब सैनी करेंगे उद्घाटन।

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज तथा हरियाणा कला परिषद के संयुक्त सहयोग से 1 मार्च से 6 मार्च तक आयोजित होने वाले नाट्य रंग उत्सव का आज पंजाबी कार्यक्रम से आगाज किया जाएगा। जिसमें उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला के सौजन्य से मोहित कुमार एवं दल द्वारा पंजाबी भंगड़ा, गिद्दा, जिंदुआ, मलवई गिद्दा आदि की प्रस्तुतियां दी जाएगी। इस मौके पर सांसद नायब सैनी मुख्यअतिथि के रुप में उत्सव का शुभारम्भ करेंगे। कार्यक्रम का समय सायं 6.30 बजे रहेगा।

रीवा संभाग का नया जिला मऊगंज!...

लंबे समय बाद मध्यप्रदेश में एक बार फिर नए जिले बनाने की शुरुआत होने जा रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आगामी चार मार्च को रीवा जिले के मऊगंज में आयोजित एक कार्यक्रम मऊगंज को जिला बनाने की घोषणा कर सकते हैं। इसकी सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। रीवा जिले में वर्तमान में आठ विधानसभा क्षेत्र हैं। मऊगंज जिला बनने के बाद मऊगंज, त्योंथर, देवतालाब व मनगंवा विधानसभा क्षेत्र नए जिले में शामिल किए जाएंगे, जबकि रीवा, गुढ़, सिरमौर व सेमरिया विधानसभा क्षेत्र रीवा जिले में रहेंगे। इसी तरह तहसीलों का भी बंटबारा किया जाएगा। मऊगंज प्रदेश का 53 वां जिला बनेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान मऊगंज को जिला बनाने की घोषणा की थी। चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद मऊगंज को जिला बनाने की घोषणा ठंडे बस्ते में चली गई थी। कांग्रेस की कमलनाथ सरकार के जाने और शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार बनने के बाद से मऊगंज को जिला बनाने की मांग ने जोड़ पकड़ लिया था। विधानसभा चुनाव से आठ माह पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान यह घोषणा करके बड़ा सियासी दांव खेल सकते हैं, लेकिन क्या इस निर्णय से मनगंवा व त्योथर विधानसभा के लोग खुश होंगे। यह अभी बड़ा सवाल है। मध्यप्रदेश में कुल जिलों को संख्या 52 है। जानकारी के अनुसार 18 मार्च 2020 को तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने तीन नए जिले उज्जैन में नागदा, गुना में चाचौड़ा और सतना में मैहर को नया जिला बनाने की घोषणा की थी, लेकिन कांग्रेस की सरकार जाने के बाद इस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया

विज्ञापन दर

समाचार पत्र का साइज 25x32

फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।

फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।

फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।

फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।

4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000

क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।

क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।

कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।

अधिक जानकारी के लिए कार्यालय में सम्पर्क करें।

9918366626

रामजी पांडे को गणमान्य लोगों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

जीवन भर सामाजिक कार्यों से जुड़े रहने वाले चंदौली जनपद के मजगाई गांव निवासी रामजी पांडे ने 96 वर्ष की उम्र में दुनिया को अलविदा किया। उनकी लोकप्रियता का असर उनके तेरहवीं कार्यक्रम में देखने को मिला, जब समाज के सैकड़ों प्रतिष्ठित लोगों ने उनकी तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके कार्यों को याद किया। विधायक भूपेश चौबे के अलावा अनेक प्रतिष्ठित लोगों ने कार्यक्रम में शिरकत की। स्वर्गीय रामजी पांडे के बड़े पुत्र सदानंद पांडे, छोटे पुत्र करुणाकर पांडे, डॉ राकेश पांडे, विनय पांडे ,अभिषेक पांडे ,अनुराग पांडे, आरूष पांडे तथा आद्या पांडे ने आए हुए लोगों का परिवार की तरफ से स्वागत किया।

मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार करने के लिए आम आदमी पार्टी द्वारा भाजपा कार्यालय में धरना देकर किया घेराव

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया को आबकारी नीति घोटाला में सीबीआई ने रविवार की शाम गिरफ्तार कर लिया –आप नेता की गिरफ्तारी की जानकारी मिलते ही पूरे देश में आप कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया है। इसी कड़ी में रीवा जिले की टीम ने विवेकानंद पार्क से रैली निकालकर भाजपा कार्यालय पहुंची जहां विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आप नेता प्रमोद शर्मा ने भाजपा पर आरोप लगाया कि भाजपा सीबीआई ,ईडी का गलत उपयोग कर रही है, हाल ही में अडानी मामला उछला तो उसे दबाने के लिए आप नेता की गिरफ्तारी की गई है,क्योंकि जब भी कोई मामला उजागर होता है उसे दबाने के लिए भाजपा सीबीआई और ईडी को आगे कर देती है। उस दौरान आप नेता प्रमोद शर्मा,इंजीनियर दीपक सिंह पटेल, अर्जुन पटेल, सरिता पांडेय, मंजुला सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।आइए आपको दिखाते हैं विरोध प्रदर्शन और सुनाते हैं आप नेताओं ने किस तरह से भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए है।

वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

कौशाम्बी थाना संदीपनघाट पुलिस उ0नि0 गौरव त्रिवेदी मय हमराह पुलिस बल द्वारा वाद सं0 144/22 धारा 128 सीआरपीसी से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त बब्बू पुत्र स्व0 हीरालाल नि0 चिटकहना मूरतगंज थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया । विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया ।

दुष्कर्म के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

कौशाम्बी जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पिपरी पुलिस उ0नि0 अशोक कुमार मय हमराह पुलिस बल द्वारा मु0अ0सं0 57/23 धारा 363/366/376ए,बी भादवि व 5/6 पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सोनू पुत्र छेद्दन पासी नि0 भीखपुर मेंड़वारा थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी को अकबरपुर चौराहा से गिरफ्तार किया गया । विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया ।

राजकीय आई0टी0आई0, सिराथू में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन 03 मार्च 2023 को

कौशाम्बी जिला सेवा योजन कार्यालय, राजकीय आई0टी0आई0 एवं कौषल विकास मिषन के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय आई0टी0आई0, सिराथू के परिसर में दिनांक 03 मार्च 2023 को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जायेंगा। यह जानकारी जिला सेवा योजन अधिकारी ने देते हुए बताया कि रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियों के माध्यम से आई0टी0आई0 एवं नॉन आई0टी0आई0 उत्तीर्ण बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेंगा । इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त षैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति के साथ प्रातः 10.30 बजे तक पहुँचें।

अखिल संस्था के द्वारा आयोजित काव्य गोष्ठी में कवियों ने किया लाजवाब काव्य पाठ

अखिल भारतीय काव्य मंच मुंबई संस्था के द्वारा गौर गंगा अपार्टमेंट गाजियाबाद में मिसेज इंडिया केन्या रूही सिंह के सम्मान में आयोजित अभिनंदन समारोह एवं काव्य गोष्ठी सफलता पूर्वक संपन्न हुई।कार्यक्रम का आगाज लोकप्रिय कवयित्री छंदकारा बबिता पाण्डेय के द्वारा मां सरस्वती की वाणी वंदना से हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता गीतकार के डी बिंदास ने की।मुख्य अतिथि रूही सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अनिल माहेश्वरी एवं ओज कवि मधुकर मोनू त्यागी मौजूद रहे।विशेष अतिथि के रूप में शैलेंद्र कुमार इस कार्यक्रम में शामिल हुए।कार्यक्रम का संचालन देश की श्रेष्ठ संचालिका पूनम माहेश्वरी ने किया। सभी अतिथियों का बैज एवं माल्यार्पण पहनाकर स्वागत किया गया तथा स्मृति चिन्ह के रूप में मोमेंटो से सम्मानित किया गया। मां सरस्वती की वंदना के बाद दुर्गेश त्रिपाठी ने बेहतरीन काव्य पाठ करके काव्य गोष्ठी का शानदार आगाज किया।तत्पश्चात सविता सिंह शमा ने लाजवाब काव्य पाठ किया।लोकप्रिय कवयित्री अनुराधा पाण्डेय ने लाजवाब प्रस्तुति से सभी सम्मानित साहित्यकारों को प्रभावित किया।लोकप्रिय छंदकारा बबिता पाण्डेय ने होली को देखते हुए शानदार जोगीरा वाला गीत पढ़कर सभी को खूब आनंदित किया।रजनीश गोयल राज ने सुन्दर और लाजबाब काव्य पाठ किया। मीनाक्षी दिनेश कुमार ने बेहतरीन श्रृंगार के गीतों की प्रस्तुति दी।कुमार मोनू राघव ने बेहतरीन गीत सुनाया।पूनम माहेश्वरी ने भी श्रृंगार के गीत को पढ़ा जिसे सभी ने खूब सराहा।माही और साहिल ने भी लाजवाब प्रस्तुति दी जिसे सभी ने खूब सराहा।शिवम् झा राब्ता के संस्थापक ने भी काव्य पाठ किया। अनिल माहेश्वरी ने बहुत ही शानदार प्रस्तुति दी।मधुकर मोनू त्यागी ने बेहतरीन प्रस्तुति से सभी को आनंदित किया। मुख्य अतिथि रूही सिंह ने एक बहुत ही शानदार कविता सुनाई जिसे सभी सम्मानित साहित्यकारों ने खूब सराहा। रूही सिंह ने अखिल भारतीय काव्य मंच और संस्था के सचिव विकास मिश्र को इस कार्यकम में मुख्य अतिथि के रूप मे आमंत्रित करने और उनके सम्मान में काव्य गोष्ठी आयोजित करने के लिए आभार व्यक्त किया।.कार्यक्रम अध्यक्ष के डी बिंदास ने लाजवाब गीत सुनाया जिसे सभी ने खूब पसंद किया और अध्यक्ष ने अपना अध्यक्षीय उद्बोधन भी दिया।कार्यक्रम के अंत में संस्था की तरफ से कार्यक्रम संयोजक एवं संस्था के सचिव एवं प्रवक्ता विकास मिश्र सागर ने इस कार्यक्रम में शामिल सभी सम्मानित अतिथियों एवं कवियों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

बड़ी रंगीन और बेलगाम होती थी मुगल दरबार की होली

रंग और उल्लास का पर्व होली मुगल सल्तनत में भी बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाई जाती रही है, जो कि सांप्रदायिक सद्भाव एवं राष्ट्रीय एकता की जीती – जागती मिसाल है। मुगल सल्तनत में होली का त्योहार मनाने की परंपरा सम्राट अकबर के शासन काल में प्रारम्भ हुई थी। होली के कई महीनों पूर्व से ही अकबर बादशाह के राजमहल में होली खेलने की तैयारियां प्रारंभ हो जाती थीं। जगह–जगह सोने – चांदी के ड्रम रखे जाते थे, जिनमें कि केवड़े और केसर से मिश्रित टेसू का रंग घोला जाता था। सम्राट अकबर इस रंग को सोने की बड़ी – बड़ी पिचकारियों में भर कर अपनी बेगमों एवं अन्य लोगों के साथ होली खेलते थे। साथ ही वह विभिन्न रंगों से लबालब भरे हौजों में न केवल स्वयं कूदता था अपितु वह इन हौजो में अपनी बेगमों को भी धकेलता था। साथ ही वह सायंकाल अपनी प्रजा के सिर पर स्वयं गुलाल मलता था और उन्हें होली की मुबारबाद देता था। इसके साथ ही वह अपने महल में केवड़े, गुलाब इलायची, केसर, पिस्ता, बादाम आदि से बड़ी ही उम्दा ठंडाई बनवाता था। जो कि सोने के ड्रमों में भरी जाती थी। इस ठंडाई को एवं अन्य अनेक स्वादिष्ट मिठाइयों आदि के साथ महल में आने वाले मेहमानों की जमकर खातिरदारी करता था। इसके साथ ही उसके महल में मुशायरे, कब्बालियों व नाचा – गानों आदि की बड़ी ही जबरदस्त महफिलें जमती थीं।

सम्राट अकबर का बेटा जहांगीर भी अपने शासन काल में "महफिल – ए होली" का भव्य कार्यक्रम आयोजित करता था। इस उत्सव में सभी लोग बड़े ही जोश – खरोश के साथ होली खेला करते थे। इस अवसर पर दरिद्र से दरिद्र व्यक्ति भी अपने बादशाह के उपर होली खेलने का अधिकार रखता था। बादशाह जहंगीर के दरबार में भी होली का हुड़दंग कई दिनों तक चलता था।

मुगल सल्तनत के सम्राट मोहम्मद शाह रंगीला भी होली के अवसर पर अपने महल में कई दिनों तक होली का त्योहर अत्यंत धूमधाम के साथ मनाया करता था। बादशाह शाहजहां होली को "ईद गुलाबी" कहकर पुकारता था।वह इस त्योहार पर अपने राज्य में रंग और गुलाल की बड़ी ही जबरदस्त होली खेलता था। साथ ही वह लोगों पर फूलों की बौछार करता था। फूलों से होली खेलने की परम्परा का यहीं से सूत्रपात हुआ। मुगल सल्तनत के आखिरी बादशाह बहादुर शाह जफर भी होली खेलने के बेहद शौकीन थे। वे अपने हिन्दू बजीरों के माथों पर अपने हाथों से गुलाल लगाते थे। बहादुर शाह जफर के द्वारा लिखी गई होली – "क्यों मो पै मारी रंग की पिचकारी, देखौ कुंवर जी मैं दूंगी गाली।" एवं अन्य फाग व होलियां इतनी अधिक लोक प्रिय हैं कि वे आज भी हमारे देश के विभिन्न राज्यों में बड़े ही चाव के साथ गाई जाती हैं। मुगल सल्तनत के प्रायः सभी बादशाह होली खेलने और उसे देखने के अत्यन्त शौकीन थे।होली के अवसर पर इन राजाओं के किलों के द्वार आम जनता के लिए पूर्णतः खोल दिए जाते थे। जिनमें इन राजाओं की प्रजा पूरी आजादी के साथ अपने राजाओं के साथ जमकर होली खेलती थी। इस मौके पर राजाओं की प्रजा के द्वारा अश्लील गालियों को गाने की भी पूरी छूट थी।मुगल बादशाह अपनी बेगमों, शहजादों और शहजादियों को अलंकार पूर्ण भाषा में गालियां देने वालों को इनाम तक दिया करते थे। जोकर और दरबारी भांड तो होली के मौके पर कुछ भी कहने या गाने के लिए आजाद रहते थे। उनकी भोंडी से भोंड़ी हरकतों से भी आनंद लिया जाता था।

मुगल शासित दिल्ली का "होली मेला" तो अत्यधिक प्रसिद्ध था।इस मेले में फाग गाने वाले चंग, नफीरी, मुहचंग, ढफली, मृदंग, धमधमी, ढोलक, बीन ,रबाब, तमूरा, ढफ, झींका, करताल एवं तबला आदि बजाकर सरल और अश्लील लोक गीतों को बेहिचक गाते थे। बादशाहगण त्योहारियां बांटते समय नाचने – गाने वालों को अशर्फियां तक लुटा दिया करते थे। होली के रसियों व फाग की मजलिसें हवेलियों व रईसों के दौलतखानों में कई कई दिनों तक चला करती थीं। उर्दू शायरी में मुगल दरबार की होली को बड़ा ही अहम स्थान हासिल है। 17 वीं शताब्दी में प्रकाशित प्रख्यात शायर कतील के "हफ्त तमाशा" नामक फारसी कलाम में होली के हुड़दंग का बड़ा ही सजीव वर्णन है। एक अन्य दक्षिण भारतीय उर्दू शायर कुली कुतुब शाह ने ठेठ हैदराबादी शैली में ब्रज और बुंदेखंड में खेली जाने वाली होली का वर्णन किया है। प्रख्यात शायर फमीज देहलवी ने मुगलई होली और उसकी विशिष्टताओं को अपनी अलंकारिक रचनाओं के जरिए अमर कर दिया है। नवाब आशफद्दोला के दरबार के सम्मानित उर्दू शायर मीर ने नवाब आशफद्दोला के दरबार में मनाई जाने वाली होली का चित्रण अपने कलाम "जश्न ए – होली" में किया है। ख्वाजा हैदर अली, आतिश, इंशा एवं तावाम आदि शायरों ने भी होली पर खूबसूरत कलामों की रचना की है। सूफी संत हजरत निजामुद्दीन औलाइया अमीर खुसरो, बहादुर शाह जफर , फायज देहलवी, हातिम, मीर, महजूर, जमीर आदि ने भी उर्दू साहित्य में होली से सम्बन्धित तमाम रचनाएं की हैं।

विनीता हॉस्पिटल की गहन चिकित्सा सुविधा आईसीयू विश्वस्तरीय मानक एन ए बी एच पर आधुनिक यंत्रों से सुसज्जित कर हुआ शुभारंभ

विनीता हॉस्पिटल फाफामऊ प्रयागराज की गहन चिकित्सा सुविधा आईसीयू विश्वस्तरीय मानक एन ए बी एच पर आधुनिक यंत्रों से सुसज्जित कर विस्तार किया गया जिसका शुभारंभ पूर्व सैन्य अधिकारी कर्नल यश वी दुबे वरिष्ठ मरीज के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ ताकि जरूरत पड़ने पर लोगों को उचित समय पर उचित सुविधा प्रदान की जा सके इस अवसर पर स्क्वाडर्न लीडर एसएन उपाध्याय पूर्व सैन्य अधिकारी ,पूर्व सूबेदार श्यामसुंदर सिंह पटेल, पूर्व सूबेदार मेजर बीएन सिंह आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे डॉक्टर बिंदु विश्वकर्मा, निदेशक व डॉक्टर विनीता विश्वकर्मा प्रबंध निदेशक विनीता हॉस्पिटल एवं मेडिकल सुपरिटेंडेंट पूर्व सैन्य अधिकारी विंग कमांडर डॉ योगेश चंद्रा व उनकी टीम की देखरेख में अस्पताल की सुविधाएं बहुत ही सुंदर व सराहनीय है आईसीयू में 10 मरीज भर्ती हुए जिनका हालचाल जाना उन्होंने भी अस्पताल की सुविधाओं , साज सज्जा, सुंदरता स्टाफ की देखरेख व सेवाओं की प्रशंसा किया इन मरीजों की देखरेख में डॉ आर के शर्मा व उनकी टीम नर्सिंग स्टाफ पुष्पेंद्र अर्जिता ,बीनू, प्रज्ञा, देसू यादव, अशोक यादव मैनेजर ,राहुल यादव सुपरवाइजर की सेवाएं व व्यवहार की भी मरीजों ने प्रशंसा किया

इस अवसर पर स्क्वाडर्न लीडर एस एन उपाध्याय पूर्व सैन्य अधिकारी ने कहा कि मुझे देश विदेश जाने का अवसर मिला व अस्पतालों को भी देखा है लेकिन आज इस अस्पताल की आईसीयू की साज–सज्जा आधुनिक यंत्रों से लैस, साफ सफाई और स्टाफ की मानवता भरी सेवाएं अद्वितीय है इस अस्पताल में वरिष्ठ नागरिकों, सभी विभागों के पेंशनर्स, तथा पूर्व सैनिकों का विशेष सम्मान होता है व सेवाएं मिलती है जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है जिस पर सभी लोगों ने तालियां बजाकर खुशी जाहिर किया तथा सभी उपस्थित लोगों ने डाक्टर बिंदु विश्वकर्मा निदेशक व डाक्टर विनीता विश्वकर्मा प्रबंध निदेशक का स्वागत किया तथा सभी आए अतिथियों ने उनकी प्रशंसा कर उन्हें मुबारकबाद व बधाइयां दिया व खुशी जाहिर किया कार्यक्रम जलपान चाय नाश्ता के साथ संपन्न हुआ।

अपर नगर मजिस्ट्रेट द्वितीय ने बताया है कि सिद्धदोष बन्दी राजनरायन पुत्र गंगा प्रसाद

अपर नगर मजिस्ट्रेट द्वितीय ने बताया है कि सिद्धदोष बन्दी राजनरायन पुत्र गंगा प्रसाद, उम्र लगभग 64 वर्ष निवासी तारनपुर मजरे जगदीशपुर थाना कुड़वार जिला सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश की दिनांक 07.12.2022 की अपरान्ह 12:00 बजे तथा सिद्धदोष बन्दी जितेन्द्र पुत्र लालचन्द्र उम्र लगभग 26 वर्ष निवासी चक निरातुल थाना खुल्दाबाद जिला प्रयागराज उत्तर प्रदेश की दिनांक 28. 01.2022 की रात्रि 10:40 बजे स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज में हुई मृत्यु सम्बंधी मजिस्ट्रीयल जांच हेतु मुझे जांच अधिकारी नामित किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त प्रकरणों के सम्बंध में दिनांक 04.03.2023 को मेरे न्यायालय में कोई भी व्यक्ति उपस्थित होकर अपना बयानधलिखित अभिकथन प्रस्तुत कर सकता है।मजिस्ट्रीयल जांच अपर नगर मजिस्ट्रेट द्वितीय ने बताया है कि सिद्धदोष बन्दी बब्बू लाल उर्फ राजू विश्वकर्मा पुत्र स्व0 राम कैलाश विश्वकर्मा, उम्र लगभग 35 वर्ष निवासी ग्राम सरांयनन्द समसपुर थाना होलागढ़ जिला प्रयागराज उत्तर प्रदेश की दिनांक 03ध04.07.2022 की रात्रि 12:45 बजे स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज में हुई मृत्यु सम्बंधी मजिस्ट्रीयल जांच हेतु मुझे जांच अधिकारी नामित किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त प्रकरण के सम्बंध में दिनांक 03.03.2023 को मेरे न्यायालय में कोई भी व्यक्ति उपस्थित होकर अपना बयानधलिखित अभिकथन प्रस्तुत कर सकता है।

डंन मुख्तार अंसारी गिरोह का शूटर बृजेश गिरफ्तार, अलग–अलग थानों में हैं कई मुकदमे दर्ज

यूपी के मऊ जिले में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मुख्तार अंसारी के शूटर को बंधा रोड हनुमान मंदिर के पास से गिरफ्तार किया। वह किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। उस पर जिले के अलग–अलग थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। बुधवार को पुलिस ने उसका चालान कर दिया। शहर कोतवाल शैलेष सिंह ने बताया कि मंगलवार रात बंधा रोड हनुमान मंदिर के पास एक बदमाश के मौजूदगी की सूचना मुखबिर से मिली। जिस पर पुलिस ने घेराबंदी की तो वह पुलिस को देखकर भागने लगा। लेकिन टीम ने उसे दबोच लिया। उसकी पहचान मुख्तार अंसारी गिरोह के शूटर बृजेश सोनकर निवासी मठियाटोला थाना कोतवाली के रूप में हुई।हिस्ट्रीशीटर अपराधी बृजेश जिले के अलग–अलग थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। तलाशी के दौरान इसके पास से तमंचा और एक कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया। उस पर दक्षिणटोला थाना में दो, कोपागंज थाना में तीन जबकि शहर कोतवाली में दो मामले दर्ज हैं। आजमगढ़ में भी पकड़ा गया मुख्तार गैंग का शूटर पुलिस ने मंगलवार को पूरे आजमगढ़ जिले में जगह–जगह दबिश दी। इस दौरान बीते पांच वर्षों में चिन्हित किए गए शूटरों की तलाश की गई। जहानागंज पुलिस ने एक शूटर को पकड़ा और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। कुछ और क्षेत्रों में भी शूटरों को उठाए जाने की चर्चा है। पुलिस की इस कवायद को उमेश पाल हत्याकांड से जोड़ कर देखा जा रहा है। शुरू से ही आशंका जताई जा रही है कि प्रयागराज की घटना को अंजाम देनेवाले शूटर आजमगढ़ जिले के हो सकते हैं। पुलिस ने मंगलवार को मुख्तार गैंग के शूटर हरिकेश यादव निवासी जहानागंज को किया। वह माफिया मुख्तार के प्रमुख साथी श्यामबाबू पासी का मुख्य सहयोगी रहा है। 2014 को तरवां थाना क्षेत्र के ऐराकला मजदूर हत्याकांड मेंआरोपी। 2020 में उस पर गैंगस्टर भी लगा गया है। वर्तमान में वह जिला बदर था। इसके बाद भी जिले की सीमा में रह रहा था।

हरयाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल थे मुख्य अतिथि

प्रयागराज आजादी का अमृत महोत्सव रक्तदान अभियान में नीफा के तरफ से कॉन्फ्रेंस प्रोग्राम में प्रयागराज जिले के अनीश पांडेय, देवेश जयसवाल, गगन सिंह, मनोज त्रिपाठी एवं मोहम्मद गुफरान खान समाजसेवी को राष्ट्रीय रक्त नायक सम्मान से नवाजा गया द्यनिफ्फा के तरफ से रक्तदान पर दो दिवसीय का कॉन्फ्रेंस प्रोग्राम डॉ० मंगल सेन गवर्नमेंट ऑडिटोरियम, करनाल राज्य हरियाणा में किया गयासइस सम्मेलन में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी ने प्रयागराज प्रांत के पांच लोगों को सम्मानित किया साथ ही साथ उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए करनाल में रक्त नायकों का स्वागत किया द्य इस दो दिवसीय कार्यक्रम में हरियाणा के तमाम आला अधिकारियों ने शिरकत की और सभा को संबोधित किया स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव, वर्ल्ड बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड निफ्फा एवं रूस के तत्वावधान में आयोजित किया गया था द्यउक्त कॉन्फ्रेंस में प्रयागराज का नेतृत्व करते हुए रिप्लेसमेंट ब्लड डोनेशन एवं थैलिसिमियां मेजर जैसी घातक बीमारी पर अपना अनुभव साझा किया साथ ही साथ करनाल शहर में रक्तदान जागरूकता रैली निकाली गई द्यसेमिनार में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, आईएएस अधिकारी एवं डिफेंस पदाधिकारी के साथ देश के सभी राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुएद्य

गैस सिलेंडर 50 रुपए महंगा हुआरुक०मर्शियल सिलेंडर के दाम में 350 रुपए बढ़े, जानें आज से हुए 3 बड़े बदलाव

आज यानी 1 मार्च से 3 बड़े बदलाव हुए हैं। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू स्च्ळ सिलेंडर के दाम 50 रुपए बढ़ गए है। दिल्ली में इसकी कीमत 1103 रुपए हो गई
है। इससे पहले 6 जुलाई 2022 को दामों में बदलाव किया गया था। तब भी कीमतें 50 रुपए बढ़ाई गई थी।
वहीं, 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में 350.50 रुपए का इजाफा
किया गया है। दिल्ली में ये अब 2119.50 रुपए का मिल रहा है। इस साल कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में यह दूसरी बढ़ोतरी है। 1 जनवरी को कीमतों
में 25 रुपए का इजाफा किया गया था।
वहीं अब काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा की करने के लिए अब आपको पहले से ज्यादा रुपए चुकाने होंगे। इसके अलावा आज से दिल्ली के सरकारी स्कूलों में एडमिशन प्रोसेस शुरू हो गई है। हम आपको आज से हुए ऐसे बदलावों के
बारे में बता रहे हैं जिनका असर आप पर भी होगा।
1. महंगा हुआ गैस सिलेंडर बीते एक साल में 203.50 रुपए बढ़े दाम
बीते एक साल में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव की बात करें तो इसमें कुल 5 बार बदलाव हुआ है। 22 मार्च 2022 को सिलेंडर के दाम 50 रुपए
बढ़ने के बाद दिल्ली में ये 899.50 रुपए से बढ़कर 949.50 रुपए हो गए थे। इसके बाद ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 7 मई को 2022 को दाम 50 रुपए बढ़ाए जिससे ये 999.50 रुपए पर पहुंच गए। उसी महीने 19 मई को फिर से दामों में
2.50 रुपए का इजाफा किया गया। इसके बाद कीमत 1003 रुपए हो गई। 6 जुलाई 2022 को भी सिलेंडर की कीमतें 50 रुपए बढ़ाई गई थी। इस बढ़ोतरी
के बाद दाम 1053 रुपए हो गए थे। अब एक बार फिर दाम 50 रुपए बढ़ाए गए है
जिससे सिलेंडर की कीमत 1103 रुपए हो गई है। यानी बीते एक साल में कीमत
203.50 रुपए बढ़ चुकी है। जून 2020 से सब्सिडी बंद जून, 2020 से स्च्ळ सिलेंडर पर ज्यादातर लोगों को सब्सिडी नहीं मिल रही है।
अब केवल उज्जवला योजना के तहत जिन्हें सिलेंडर दिए गए हैं, उन्हें 200
रुपए की सब्सिडी मिलती है। इसके लिए सरकार करीब 6,100 करोड़ रुपए खर्च
करती है। दिल्ली में जून 2020 में बिना सब्सिडी वाला सिलेंडर 593 रुपए
में मिलता था, जो अब बढ़कर 1103 रुपए का हो गया है।
2. काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा की आरती करना हुआ महंगा
वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा की आरती महंगी हो गई है। मंगला
आरती के लिए भक्तों को 150 रुपए ज्यादा देने होंगे। यानी अब 350 की जगह 500 रुपए देने होंगे। वहीं, सप्त ऋषि आरती, श्रृंगार भोग आरती और
मध्यान्ह भोग आरती के टिकट में 120 रुपए की वृद्धि की गई है। इन आरती के
लिए 180 की जगह 300 रुपए देने होंगे। इससे पहले 2018 यानी 5 साल पहले मंगला आरती का टिकट 100 रुपए बढ़ाया गया था।
3. दिल्ली में एडमिशन प्रोसेस शुरू
दिल्ली में आज से सरकारी स्कूलों में नर्सरी, केजी व पहली कक्षा में
एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन कक्षाओं में एडमिशन के लिए ऑफलाइन
आवेदन 15 मार्च तक किया जा सकता है। दिल्ली में रहने वाले बच्चे ही
दाखिले के लिए आवेदन के पात्र होंगे। स्कूल से एक किलोमीटर की दूरी में
रहने वाले बच्चों को एडमिशन में प्राथमिकता दी जाएगी।
4. पेट्रोल–डीजल के दाम भी नहीं बदले
देश में तेल के दाम पिछले करीब 7 महीने से स्थिर हैं। हालांकि जुलाई में महाराष्ट्र में पेट्रोल जरूर पांच रुपए और डीजल तीन रुपए प्रति लीटर सस्ता हुआ था, लेकिन बाकी राज्यों में दाम जस के तस बने हुए हैं।

वार्ड स्तर पर भाजपा मनाएगी होली मिलन समारोह

1 मार्च प्रयागराज, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के द्वारा प्रत्येक जिलों में आगामी होली मिलन कार्यक्रम का निश्चय किया गया है भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर के द्वारा सभी वार्डों में सामाजिक एकता और समरसता का संदेश देने के लिए होली मिलन का आयोजन करने का निर्णय किया गया जो 8 दिसंबर से 15 दिसंबर तक किया जाएगा जिसमें वार्ड पर रहने वाले सभी भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता जनप्रतिनिधि पदाधिकारी होंगे एवं कार्यकर्ता शामिल और उस क्षेत्र के सभी संभ्रांत लोगों को जोड़ा जाएगा और वार्ड में पदयात्रा के माध्यम से भ्रमण कर सामाजिक एकता और समरसता का संदेश दिया जाएगा

उतरांव पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

उतरांव प्रयागराज। उतरांव पुलिस ने घर मे घुसकर चोट पहुचाने आदि धारा मुकदमे में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के मुताबिक– पुलिस आयुक्त रमित शर्मा के निर्देशन में वांछित वारन्टी अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में थानाध्यक्ष उतरांव श्रवण कुमार अन्य थाने के अन्य पुलिस की मदत से थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 32ध्2023 धारा147ध्149ध्323ध्504ध्506ध्452ध्436 भा0द0वि0 में वांछित चल रहे अभियुक्त को आज खास सूचना पर थाना क्षेत्र जलालपुर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार होने वाला आरोपी ज्ञान सिंह उर्फ ज्ञानचन्द्र पुत्र रामकेदार पटेल गांव बबुआपुर (जलालपुर) थाना उतराँव जनपद प्रयागराज का निवासी है।जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी को पकड़े गये स्थान से थाने पर लाया गया जहाँ आगे की विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार करने में थानाध्यक्ष के साथ दरोगा महेश चंद हे0 का0 परवेज खाँ, अमरनाथ तथा भानु शुक्ला साथ रहे। दैनिक आशा प्रहरी अरुण मित्र समाचार पत्र से उमेश चन्द्र द्विवेदीध सन्दीप कुशवाहा

औद्योगिक क्षेत्र पुलिस द्वारा एक अभियुक्त गिरफ्तार

औद्योगिक क्षेत्र प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र की पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर सम्बन्धित आरोप मुकदमे से जुड़े विधिक कार्यवाही पूरी की।पुलिस आयुक्त रमित शर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में डीसीपी यमुनानगर संतोष कुमार मीणा व एसीपी करछना के पर्वेक्षण में थाना औद्योगिक क्षेत्र थानाध्यक्ष संजीव कुमार चौबे के नेतृत्व में चन्द्रपाल सिंह ने घर में आग लगाने की सूचना पर सम्बन्धित अभियुक्त की तलाश मे मामूर थे कि मुखबिर की सूचना पर पावर हाउस के पीछे सड़वा से अभियुक्त दिनेश कुमार पुत्र स्व0 बृजलाल निवासी सड़वा कला थाना औ0क्षेत्र प्रयागराज उम्र करीब 22 वर्ष को हिरासत पुलिस में लिया।अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 44ध्23 धारा 436 भादवि पंजीकृत है। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।
घटना का संक्षिप्त विवरण–
आज दिनांक 28.02.2023 को वादिनी श्रीमती पिंकी देवी पत्नी राहुल कुमार निवासी सड़वा थाना औ0 क्षेत्र प्रयागराज द्वारा लिखित सूचना दी गयी कि अभियुक्त दिनेश कुमार पुत्र स्व0 बृजलाल निवासी सड़वा कला द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर दिनांक 27.02.2023 को समय करीब रात्रि 8.00 बजे उर्मिला देवी के छप्पर में आग लगा दी गयी थी जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 44ध्23 धारा 436 भादवि बनाम दिनेश कुमार उपरोक्त के खिलाफ पंजीकृत किया गया था।दैनिक आशा प्रहरी अरुण मित्र समाचार पत्र से उमेश चन्द्र द्विवेदीध पीएस मिश्र

उमेश पाल हत्याकांड पर बोले भाजपा सांसद,अतीक अहमद की गाड़ी पलट जाए तो कोई आश्चर्य नहीं

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बहुजन समाज पार्टी के विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह अधिवक्ता उमेश पाल हत्याकांड का तार पूर्व सांसद माफिया अतीक अहमद से तार जुड़ रहा है।अतीक के परिवार और करीबियों पर पुलिस की कार्रवाई भी शुरू हो गई है।इस दौरान कन्नौज से भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुब्रत पाठक ने बिकरू कांड के विकास दुबे की याद दिलाते हुए अतीक अहमद की गाड़ी पलटने की आशंका जताई है।
भाजपा सांसद सुब्रत पाठक ने ट्वीट किया है कि उत्तर प्रदेश पुलिस की सुरक्षा में उमेश पाल समेत पुलिस सुरक्षाकर्मी की हत्या सीधे उत्तर प्रदेश की सरकार पर हमला है।याद रखो जब विकास दुबे नहीं बचा तो इन दुर्दांतों का क्या होगा, ये बताने की आवश्यकता नहीं है और अब यदि गाड़ी अतीक की भी पलट जाए तो मुझे कोई आश्चर्य नहीं होगा।
बता दें कि प्रयागराज में शुक्रवार शाम बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह अधिवक्ता उमेश पाल और उनके गनर की धूमनगंज थाने से लगभग 200 मीटर की दूरी पर बदमाशों ने गोलियां बरसाकर और बम मारकर हत्या कर दी।बदमाशों ने इस शूटआउट को 44 सेकेंड में अजाम दिया। उमेश की हत्या का आरोप माफिया अतीक अहमद पर लग रहा है। उमेश पाल की पत्नी जया पाल ने अतीक अहमद उनके भाई पूर्व विधायक अशरफ,पत्नी शाइस्ता परवीन, दोनों बेटों और अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।पुलिस ने अतीक के दोनों बेटों के साथ लगभग 14 संदिग्धों को हिरासत में लिया हैं।कौशांबी और प्रतापगढ़ में प्रॉपर्टी डीलिंग विवाद से जुड़े चार युवकों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।
इससे पहले सोमवार पुलिस ने धूमनगंज इलाके में नेहरू पार्क के जंगल में उमेश पाल हत्याकांड के एक आरोपी अरबाज को मार गिराया था।उमेश पाल की हत्या में जिस क्रेटा कार का इस्तेमाल किया गया था, उसे अरबाज ही चला रहा था।मारे गए बदमाश अरबाज को अतीक का करीबी बताया जा रहा है।अतीक अभी गुजरात की साबरमती जेल में बंद है।अतीक पर 100 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।इनमें हत्या, लूट, अपहरण, वसूली और अवैध हथियारों की डील समेत कई गंभीर आरोप लगे हैं।उमेश पाल और गनर की हत्या के मामले में पुलिस अतीक से पूछताछ करेगी।
प्रशासन ने अतीक के करीबियों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रयागराज के चकिया में अतीक के करीबी बिल्डर खालिद जफर के घर पर आज बुलडोजर चला है।आरोप है कि इसी दो मंजिला इमारत में ही उमेश पाल हत्याकांड के बाद शूटर, अतीक की पत्नी शाइस्ता से मिलने आए थे और मिलने के बाद फरार हो गए थे।प्रयागराज विकास प्राधिकरण के मुताबिक ये अवैध संपत्ति है। राजधानी लखनऊ में भी अतीक के करीबियों के यहां छापेमारी की गई।

सम्पादकीय

वर्तमान शिक्षा

भारत की जो वर्तमान शिक्षा प्रणाली है, वह प्राचीन भारत की शिक्षा प्रणाली से मेल नहीं खाती है। भारत की वर्तमान शिक्षा प्रणाली का ढाँचा औपनिवेशिक है, जब कि प्राचीन भारत की शिक्षा प्रणाली गुरुकुल आधारित थी। वर्तमान शिक्षा प्रणाली एक संशोधित एवं अद्यतन शिक्षा प्रणाली तो है ही यह ज्ञान–विज्ञान के नए–नए विषयों को भी समाहित करती है। कंप्यूटर शिक्षा इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है जिसने मानव जीवन को सहज, सुंदर एवं सुविधाजनक बनाया है।इस शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत देश में नए–नए विश्वविद्यालयों, कॉलेजों एवं स्कूलों की स्थापना की गई और यह प्रक्रिया अनवरत जारी है। इसमें शिक्षा का प्रचार–प्रसार बढ़ाने के साथ–साथ साक्षरता दर में भी बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2011 की जनगणना के आकड़ों के अनुसार इस समय देश की कुल साक्षरता दर 73.0 प्रतिशत है।वर्तमान शिक्षा प्रणाली की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें महिला साक्षरता की तरफ विशेष ध्यान दिया गया है। महिला साक्षरता बढ़ने से आज समाज में महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ हुई है। वर्तमान में महिलाओं की साक्षरता दर 64.6 प्रतिशत है।वर्तमान शिक्षा प्रणाली की खूबियों एवं विशेषताओं के साथ–साथ इसकी कुछ कमजोरियाँ भी हैं जिसका हमारे समाज एवं देश पर बुरा प्रभाव दिखाई पड़ रहा है। जैसे–आज संयुक्त परिवार टूटकर एकांकी परिवारों में और एकांकी परिवार नैनों फेमिली के रूप में विभाजित हो रहे हैं। अब परिवारों में बड़े बुजुर्गों का स्थान घटता जा रहा है जो बच्चों को कहानियों एवं किस्सों द्वारा नैतिक शिक्षा देते थे। दादी, नानी की कहानियों का स्थान टी. वी., कार्टून, इंटरनेट और सिनेमा ने ले लिया है। जहाँ से मानवीय मूल्यों की शिक्षा की उम्मीद करना बेमानी बात है। विद्यालयों में ऐसी शिक्षा जो बच्चों के चरित्र का निर्माण कर उनमें सामाजिक सरोकार विकसित करे उसका स्थान व्यावसायिक शिक्षा ने ले लिया है, जिसके अंतर्गत हम एक आत्मकेंद्रित, सामाजिक सरोकारों और मूल्यों से कटे हुए एक इंसान का निर्माण कर रहे हैं, जिससे समाज में बिखराव की स्थिति पैदा हो रही है।वर्तमान शिक्षा प्रणाली का एक बड़ा दोष यह भी है कि यह रोजगारोन्मुख नहीं है अर्थात इसमें कौशल और हुनर का अभाव है। स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय डिग्रियाँ बाँटने वाली एजेंसियाँ बन गई हैं।वर्तमान शिक्षा प्रणाली को व्यावहारिक, सफल, एवं आदर्श स्वरूप प्रदान करने के लिए इसमें बदलाव एवं सुधार की आवश्यकता है। जिससे यह जीवन को सार्थकता प्रदान करने एवं आजीविका जुटाने में सक्षम हो सके। आज वर्तमान शिक्षा प्रणाली विधार्थियों के मद्देनजर जितनी सरलता का मार्ग प्रशस्त किया जि रहा है उतनी ही विधार्थियों की मानसिकता संकुचित होती जा रही है। सोशल मीडिया और नेटवर्किंग साइट्स पर शिक्षा का प्रचलन आज विधार्थियों को शैक्षणिक राह से भटकाने का कार्य कर रही है। पहले की अपेक्षा आज की शिक्षा प्रणाली बेहद लचीला और किंकर्तव्यविमूढ़ कर दिया है। जिससे बच्चे का भविष्य शिक्षा से उज्जवल भविष्य की कल्पना करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी लगता है।

राजेन्द्र प्रसाद ठाकुर सार्जन महासचिव (मुंबई पश्चिम विभाग)
महाराष्ट्र राज्य शिक्षक सेना

चलो होली मनाएं

बद्री प्रसाद वर्मा अनजान

कल से स्कूल में होली पर पांच दिन की छुट्टी की सूचना पा कर बिट्टू बहुत खुश था।

स्कूल के दूसरे बच्चे भी बहुत खुश थे।

रवि गोपी गोपाल मदन मोनू ओम और यीशु सभी आपस में कह रहे थे इस साल हम होली में खूब हुड़दंग मचाएंगे और हर किसी को रंग से नहवाएंगे और जी भर के अबीर गुलाल लगाएंगे।

दोपहर में स्कूल के प्राचार्य ने सभी बच्चों को स्कूल के सभागार में बुला कर एक होली परिचर्चा कर डाली। परिचर्चा का विषय था हम होली कैसे मनाएं। बारी बारी से सभी बच्चे खड़े हो कर अपनी होली मनाए जानेकी बात बता रहे थे। बिट्टू अपने सीट के सामने खड़ा हो कर बोला सर मैं इस साल होली रंगों से नहीं बस अबीर गुलाल से मनाऊंगा। किसी को न परेशान करुंगा न जोर जबरदस्ती करुंगा क्यों कि पिछले साल रंग लगाने के चक्कर में हमार दोस्त राजू जमीन पर दौड़ते वक्त गिर गया और उसके एक हाथ की हड्डी टूट गई। इसलिए होली सादगी से मनाऊंगा। तभी यीशु अपनी सीट के पास खड़ा हो कर बोला सर होली पर लोग रसायन रंगों का खूब इस्तेमाल करते हैं और गुब्बारे में रंग भर कर एक दूसरे को मारते हैं। इससे चोट भी लगती है और झगड़ा भी हो जाता है। केमिकल रंग से आंख लाल हो जाती है इसलिए मैं होली पर एक दूसरे को रंग अबीर गुलाल कुछ भी नहीं लगाऊंगा बस गले लगा कर होली की बधाई दे कर होली मनाऊंगा। तभी रवि भी अपने सीट के पास खड़ा हो कर बोल सर मैं तो इस साल होली पर एक दूसरे को बस गुलाल का टीका लगा कर होली मनाऊंगा। गोपाल बोला सर होली पर लोग एक दूसरे पर कीचड़ फेक कर होली मनाते हैं इसलिए होली पर ऐसे मित्रों के साथ मैं बिलकुल होली नहीं खेलूंगा। मोनू बोला सर मैं तो होली पर घर में ही रहता हूं और घर आए दोस्तों के साथ होली मनाता हूं और सबको होली का गुझिया मालपुआ और खड़पुड़ी खिला कर मन चाही होली मनाता हूं। ओम बोला सर हम तो होली के दिन बिना केमिकल वाला रंग ले कर होली मनाता हूं और दोस्तों को रंग लगाता हूं।

अन्त में गोपी बोला सर हमारे घर की परम्परा है कि होली पर घर आने वाले सभी लोगों को बस अबीर गुलाल लगा कर होली मनाई जाती है। मेरे पापा होली के दिन किसी को घर से बाहर नहीं जाने देते हैं। उनका कहना है कि अक्सर होली पर बच्चे बड़े एक दूसरे का कपड़ा फाड़ कर होली मनाते हैं जो बहुत गलत है। इससे झगड़ा भी होने का डर बना रहता है। इसलिए हम घर आए दोस्तों के साथ सादगी के साथ होली मनाते हैं।

अन्त में स्कूल के प्राचार्य ने सभी बच्चों से कहा होली हम सब का त्यौहार है इसलिए इस त्यौहार को प्रेम भाई चारे के साथ मनाना चाहिए। और एक दूसरे को गले लगा कर होली मनानी चाहिए। होली पर एक दूसरे को बधाई देनी चाहिए और घर में बना पकवान खिलाना चाहिए।

होली में न नशा करना चाहिए न किसी को कराना चाहिए।

होली का त्यौहार बहुत प्यारा त्यौहार है इसलिए इसे प्रेम से मिल कर मनाना चाहिए।

स्कूल के प्राचार्य ने अपनी बात समाप्त कर बोले अब सभी बच्चे अपने अपने घर जा सकते हैं।

स्कूल से निकल कर सभी घ्छ अबीर गुलाल उड़ाते और होली की जयकारा मनाते हुए अपने घर की ओर जाने लगे।

बद्री प्रसाद वर्मा अनजान
गोला बाजार

संतोष सिवन- बहुमुखी प्रतिभाशाली सिनेमाटोग्राफर

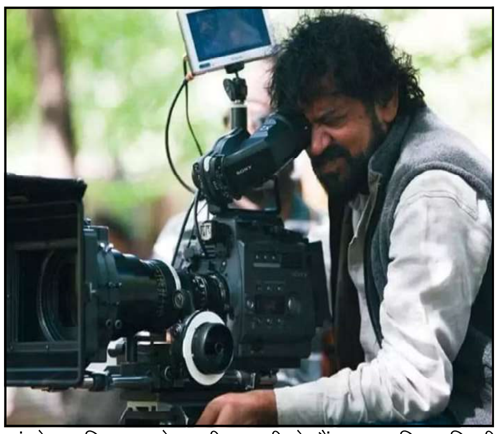

संतोष सिवन बेहतरीन सिनेमाटोग्राफर हैं। लेकिन यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि वे एक सिनेमाटोग्राफर होने के साथ ही एक कुशल सिने–निर्देशक भी हैं। इन्होंने टीवी सिरीज के साथ 'सिन', 'बायोचेक', 'ईनाम', 'उरमीरू द वारियर हू वांटेड टू किल वास्को ड गामा', 'केशु' 'तहान', 'बिफोर द रेन्स', 'आनंदभद्रम', 'नवरस', 'अशोक द ग्रेट' जैसी फिल्मों का निर्देशन भी किया है।आपने 'अशोक द ग्रेट', 'दिल से', 'रंग रसिया', 'मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेस', 'प्राइड एंड प्रिजडच्यूज', 'फिजा', 'पुकार', 'दिल से हिन्दुस्तानी, 'दर्मियान– इन बिटवीन', 'बरसात', 'गर्दिश', 'रुदाली', 'रोजा' में से कुछ फिल्में अवश्य देखी होंगी। यदि इनके निर्देशक का नाम पूछा जाए तो आपमें से कुछ लोग अवश्य बता पाएंगे। अगर इन फिल्मों के अभिनेताओं–अभिनेत्रियों का नाम बताने को कहा जाए तो आपमें से अधिकांश लोग बता सकेंगे लेकिन यदि इन फिल्मों के सिनेमाटोग्राफर का नाम लेने को कहा जाए तो आपमें से विरला ही बता सकेगा।

फिल्मों की चमक–दमक भरी दुनिया ऐसी ही है। हम परदे पर हीरो–हिरोहिन को देखते हैं और उनके दीवाने हो जाते हैं। चूंकि फिल्म निर्देशक की होती है, प्रचार–प्रसार में भी उसका नाम आता है, तो उससे भी परिचित हो जाते हैं लेकिन जो फिल्म को परदे पर साकार करता है, उसे प्रकाश और छाया के माध्यम से उभारता है, जो परदे के पीछे रह कर परदे पर कमाल करता है, वह अनजाना रह जाता है।संतोष सिवन–बेहतरीन सिनेमाटोग्राफर

आज मैं एक ऐसे ही कमाल के व्यक्ति संतोष सिवन से आपका परिचय कराने जा रही हूं। जैसा कि आपने इनके द्वारा संभाले कैमरे की कमाल की कुछ फिल्मों के नाम ऊपर देखे, यह तो सिद्ध हो जाता है कि संतोष सिवन बेहतरीन सिनेमाटोग्राफर हैं। लेकिन यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि वे एक सिनेमाटोग्राफर होने के साथ ही एक कुशल सिने–निर्देशक भी हैं। इन्होंने टीवी सिरीज के साथ 'सिन', 'बायोचेक', 'ईनाम', 'उरमीरू द वारियर हू वांटेड टू किल वास्को ड गामा', 'केशु' 'तहान', 'बिफोर द रेन्स', 'आनंदभद्रम', 'नवरस', 'अशोक द ग्रेट' जैसी फिल्मों का निर्देशन भी किया है। और अभिनेता भी वे हैं, एक प्रसिद्ध हिन्दी निर्देशक के अंतर्गत उन्होंने अभिनाय किया है।

संतोष सिवन का जन्म 8 फरवरी 1964 को तिरुअनंतपुरं में हुआ है। इन्हें अब तक छोटे–बड़े मिला कर 23 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिसमें 'अले किनो– इंटरनेशनल यंग ऑडियन्स फिल्म फेस्टिवल' (फिल्म 'द टेररिस्ट'), 'द इंटरनेशनल इंडियन फिल्म अकादमी' (फिल्म 'अशोका द '), 'कैरो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' ('माली' फिल्म के लिए दो पुरस्कार) भी शामिल हैं। साथ ही पांच नेशनल अवार्ड इनकी झोली में हैं। इन्हें भारतीय सिनेमा में योगदान केलिए पद्मश्री की उपाधि (2014) प्राप्त हुई है।

एफ.टी.आई.आई से प्रशिक्षित संतोष सिवन ने फिल्मों में अभिनय भी किया है। 'इंडियन सोसायटी ऑफ सिनेमाटोग्राफर्स' के संस्थापक सदस्य संतोष सिवन ने डॉक्यूमेंट्री, लघु फिल्म तथा फीचर फिल्म मिला कर करीब 55–60 फिल्मों को परदे पर साकार किया है। ये 'अमेरिकन सोसायटी ऑफ सिनेमाटोग्राफर्स' के एशिया–पैसेफिक क्षेत्र के पहले फोटोग्राफर सदस्य हैं। इनके पिता भी शौकिया फोटोग्राफर और डॉक्यूमेंट्री बनाने वाले रहे हैं।संगीत सिवन एवं संजीव सिवन इनके दोनों भाई भी सिनेमा से जुड़े हुए हैं। एक मजेदार बात है, राजा रवि वर्मा पर कुछ साल पहले भारत में दो फिल्में बनीं। एक मलयालम में और एक हिन्दी में। 2011 में राजा रवि वर्मा के जीवन पर आधारित लेनिन राजेंद्रन निर्देशित मलयालम फिल्म 'मकर मञ्ञ्' में संतोष सिवन स्वयं राजा रवि वर्मा के किरदार के रूप में उपस्थित हैं और 2008 में प्रसिद्ध सिने–निर्देशक केतन मेहता ने हिन्दी में बनाई 'रंग रसिया' जो कई बरसों के इंतजार के बाद कहीं जाकर 2014 में रिलीज हुई। इसके सिनेमाटोग्राफर संतोष सिवन ही हैं।

दोनों फिल्मों का कथानक एक होते हुए भी दोनों के ट्रीटमेंट में जमीन–आसमान का अंतर है। एक ओस की नाजुक बूंद है, तो दूसरी ओलावृष्टि। 'मकर मञ्ञ्' ओस की बूंद की तरह वायवी और कोमल है, 'रंग रसिया' मुझे बहुत लाउड, भयंकर ओलावृष्टि की भांति लगी। ओलावृष्टि का अपना सौंदर्य होता है। पर वह काफी कुछ नष्ट कर डालती है। यह भी सच है कि दोनों फिल्मों में राजा रवि वर्मा के जीवन को यथार्थ और कल्पना के रंगों के समिश्रण से चित्रित किया गया है।

दोनों प्रसिद्ध निर्देशक का काम मौलिक है। इसके एक साल बाद 2012 में इन्होंने तमिल फिल्म 'तुप्पाक्की' ('गन') के एक गीत में थोड़ी देर केलिए अभिनय किया।

कैमरे, डार्करूम, फिल्म प्रोसेसिंग के साथ बड़े होने वाले इस फोटोग्राफर ने कई साक्षात्कार दिए हैं। एक साक्षात्कार में ये कहते हैं कि उनकी दादीमां खुद एक कलाकार थीं और इन्हें इस दिशा में बढ़ावा देती थीं। बदलते मौसम के साथ आकाश निहारते हुए इन्हें रंगों से लगाव हुआ। आज डिजिटल कैमरा आने से कई चिंताएं दूर हो गई हैं, साथ ही पहले मिलने वाला सरप्राइज भी समाप्त हो गया है।

पहले और अब की चुनौतियां

पहले सब मिल कर फिल्म शूट करने के बाद रशेस देखते थे और आवश्यकता पड़ने पर रि–शूट करते थे। आज फोटोग्राफर की स्वतंत्रता सीमित हो गई है। लेकिन इनका यह भी मानना है कि परिवर्तन महत्वपूर्ण है, यह विकास है। आप सीखने के साथ आगे बढ़ते जाते हैं।

उदाहरण के लिए संतोष सिवन 'रोजा' फिल्म के गीत 'रुकुमनी' की बात करते हैं। वे कहते हैं कि यह एक बहुत कठिन सिक्वेंस था, जहां नाइट इफेक्ट के साथ एक 70 साल की स्त्री गा रही थी अतरू असामान्य ध्वनि संकेत थे। आज इस गाने के बारे में सोचते हुए वे तथा इसके सिने–निर्देशक मणि रत्नम आश्चर्य करते हैं कि इन लोगों ने इसे कैसे किया?

आज तमाम तकनीकि विकास तथा वीएफएक्स के साथ करना यह बहुत आसान होगा। लेकिन उन दिनों यह बहुत बड़ी चुनौती थी, साथ ही इसे करने में इन लोगों को मजा भी बहुत आया था। वैसे चुनौतियां आज भी कम नहीं हुई हैं।

'दलपति' में रजनीकांत को फिल्माने वाले और रजनीकांत की ऊर्जा और उनकी सादगी के प्रशंसक इस बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति का कहना है कि वे सिनेमाटोग्राफी के अलावा ढेरों और काम करते हैं। वे डॉक्यूमेंट्री फिल्म, कमर्शियल विज्ञापन बनाते हैं। उन्होंने एक फिल्म को विभिन्न अभिनेताओं को लेकर दो भिन्न संस्करण में बनाया है, योगी बाबू तथा मंजू वारियर को लेकर बनी फिल्म 'सेंटीमीटर्स' फिल्म को प्रड्यूस किया है। उन्हें घुमक्कड़ी के साथ फोटो खींचना रास आता है।

विभिन्न काम करने और जीवन के विभिन्न पलों की प्रशंसा करने के कारण बस काम पूर्ण हो गया। बस अब और नहीं करना है, ऐसा नहीं सोचते अथवा अनुभव करते हैं। नाम भले ही संतोष है मगर कभी अपने काम को पूर्ण नहीं मानते हैं। उससे संतुष्ट नहीं होते हैं। असंतुष्टि उन्हें और काम करने, और अच्छा काम करने की ओर प्रेरित करती रहती है।

व्यंग्य

हेलो कौन... अरे अरे मम्मी जी प्रणाम ...क्या आपकी बेटी से बात करनी है? पर आपको तो पता है ना मम्मी जी दिन में 11रू00 से 3रू00 आपकी बेटी के सोने का टाइम है। तनिक हम से ही बात कर लीजिए है ना मम्मी जी, कसम से आप बड़ी अच्छीअच्छी बातें करती है। आपकी मीठी–मीठी बातों में पता ही नहीं चलता कि आपकी बेटी सब्जी में नमक मिर्च कब दो बार डाल देती है। और कभी–कभी तो डालना ही भूल जाती है। कब रोटियां जल जाती है। कब सब्जी जल जाती है। पता ही नहीं चलता। कब आटे में नमक कम ज्यादा हो जाता है, कब चाय की पतीली गैस का अभिषेक कर देती है। कमबख्त पानी का नल कब आकर चला जाता है कचरा गाड़ी वाला कब निकल जाता है पता ही नहीं चलता। गजब का संप्रेषण है मम्मी जी आपकी बातों में, भाव विभोर होकर बेचारा शर्ट का बेकसूर पाकिट बातों ही बातों में कब प्रेस को गले लगाले धुआं निकलने पर ही पता चलता है।

आपको तो सच में एक योग शिक्षक होना चाहिए या फिर कोई प्रवचन कर्ता। वैसे किसी राष्ट्रीय पॉलीटिकल पार्टी का प्रवक्ता होने में भी कोई बुराई नहीं है।घर में सब कुशल तो है ना हमारी छोटी साली जी क्या कर रही है? उन्हें कराटे के सांथ–सांथ झाडू और बेलन चलाना जरूर सिखाएगा अब फोन रखता हूं ऑफिस के लिए देर हो रही है। कभी–कभी हमारे ऊपर भी अमृत वचनों की वर्षा हो जाए प्रणाम, बाबू जी को भी प्रणाम कहिएगा।

परमानन्द राठौर गुराड़िया वर्मा

हम इस पर विचार जरूर करें

कई लोग अक्सर दूसरों के मन में अपनी छवि बनाने के ख्याल से अच्छा बनने का ढोंग करते हैं,और अपनी इस चतुराई या जालसाजी में कुछ हद तक कामयाब भी हो जाते हैं,किन्तु ऐसा करने में वहष्जैसा बोओगे,वैसा पावोगेष्वाली कहावत को भूल जाते हैं,और अपने ही भ्रम में खुश होते रहते हैं।उन्हें इस बात का जरा भी इल्म नहीं होता की कर्म का सारभौमिक कानून सबसे सूक्ष्म स्तर पर संचालित होता है।

अतः आज नहीं तो कल उन्हें अपनी जालसाजी का फल उसी रूप में वापस मिलेगा।

इसी लिये समझदारी इसी में है,कि हम वास्तविक रूप से सभी के प्रति अपने भीतर अच्छी भावनाएँ रखें,क्योंकि जब हमारी भावनाएँ शुद्ध होंगी,तो लोगों का व्यवहार भी अपने आप हमारे साथ अच्छा होगा।

हमें यह हमेशा याद रखना चाहिये,कि झूठ का मुखौटा आज नहीं तो कल सत्यता और शुद्धता के सामने फीका पड़ ही जायेगा।

इसी लिये आप जो हो,जैसे भी हो,अन्दर और बाहर एक समान रहें।ताकि लोगों के मन में किसी भी प्रकार की विभ्रान्ति पैदा न हो।

किसी के साथ हम खिलवाड़ न करें...!!

कवि सत्यनारायण पाण्डेय
नारायण
भीटी खोरिया
गोरखपुर

उपन्यास- अलखाया का रींगटा

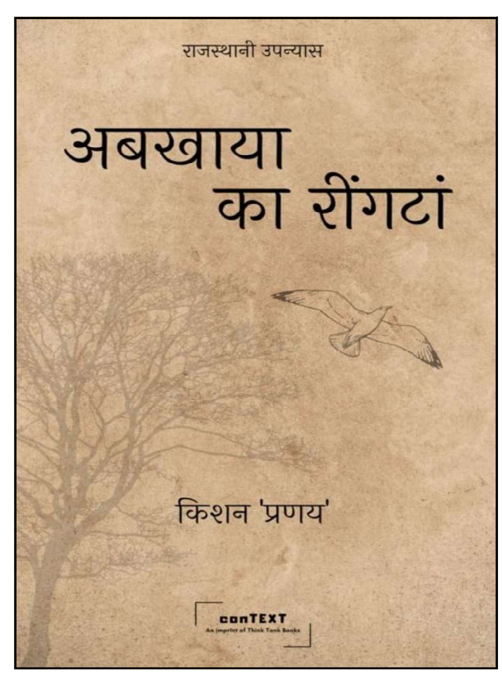

बरतमान युग सब को दस्तावेजीकरण छै–अबखाया का रींगटा।

साहितै समाज न अर समाज साहिते न आन्दोलित अर प्रेरित कर छै। साहितै म्हं उ सब सन्दो समट जाव छै, जे आस–पास का वातावरण अर लेखक का जीवण म्हं घटित होव छै। ऊं युग–सत्य न लेखक आपणो विषय बणाव छै अर निकल पड़ है आपणा सरजण जात्रा पे। या लेखक की मानसिक जात्रा होव छै अर या जात्रा ही उँका युग–सत्य को दरसाव करे छै।

असी है जात्रा का राहगीर छै भाई किशन प्रणय। भाई किशन की पाँच पोथ्याँ पहल्या सूँ ही समाज अर देश का हाथां म्हं छै। पण आज जीं प आपण चरचा कर्या छां वा छै लूंठी पोथी राजस्थानी भाषा की पोथी छै, जे गद्य विधा उपन्यास की छै। श्अवखाया का रींगटाश अस्यो उपन्यास छै, जे आत्मकथ्य न लारै लेर चाल छै। इं उपन्यास म्हं लेखक खुद फूल म्हं खुशबू की नाई करता अर भोक्ता है दोन्यूं की भूमका म्हं छै। इं पोथी म्हं बरतमान युवा का सुनहला सपणा, संघर्ष अर आज की दशा को जीतो जागतो दस्तावेज छै। लेखक स्वयं आपणी बीती को चतराम कबीरदास जी क नांई कर छै। – तू कहता कागद की लेखी,
मैं कहता आंखन की देखी।ष

उपन्यास म्हं अभिनव आधुनिक युग को पात्र छै, पण उं संस्कारवान छै, सन्दी परम्परा न निभा भा हाळो पात्र छै। अभिनव, पात्र का माध्यम सूं किशन चक्रव्यूह म्हं फँसकर निकल बा को माध्यम खोज छै, जीम्हं आज की युवा पीढ़ी फँसी हुई छै। शासन प्रशासन की संवेदनहीनता, परकाशन घराणा को गिरतो चरितर, नोकरशाही–लालफीताशाही को बोलबालो, निजीतन्त्र की असहजता, राजनीति
अर अफसरां की साँठगाँठ इं उपन्यास की नाळी बिशेषता छै।

अफसरां की जाण–पछाण, राजनीति सूं जुड़या मनख या सन्दा का युग–सत्य न लेखक न बेबाकी सूं उकेरबा को उपन्यास म्हं परयास करयो छै। धरम अर जाति का बन्धन मनख न छोटा स्वार्थ म्हं बांध छै, ई सूं ऊपर मानव अर मनखपणो छै अर यां मनख –मूल्याँ न पाबो आपणो उद्देश्य रयो छै। छोटा–छोटा स्वार्थां न उकेरबो भी उपन्यासकार को उद्देश्य रयो छै, ताकि समाज अर राष्ट्र इंसू ऊपर उठश्र सोच । छोरा दायरा आपण न कुआं को मेंढ़क ही बणाव छै, आपणा बिचारा न कुंद कर छै।

इं उपन्यास म्हं गाँवा को चतराम छै। स्कूल म्हं पोषाहार बणाबा हाळी बाई रसद अधिकारी सूं व्यंग्य करती खश्च–ष्वकीलों के नाई काळो कोट पहर मेल्यो छै, म्हाकी तो सुणई न रयो अर ओडर दे रया छै, अस्यो काँण कहाँ को साब बणे छै, यो मिनखां न मिनखई न गणर्यो छै। दाणा तो पचास की बोर्यों म्हं चालिस ई आर्यी छै। बाकी का दाणा तो ये ई साथ लोग खार्या छै। म्हाने भी तोल छै सन्दी बस झूठी साँची करणी छै। यां ने तो यां की सब चोर्या मांके माथे धरणी छै।

तो इं परकार सूं यो उपन्यास गांवा का लोगां को लोकतंत्र म्हं आपणी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा भी करवाव छै।

अभिनव की नोकरी माड्साहब का पद पै लागी छै। अर पोस्टिंग नन्दी का कनारा का गाँव म्हं होई छै। वांको छोटो ईस्कूल छै, अर उन्हं दो जणा को ही पोस्टिंग छै। खश्बा को मतलब यो छै क आजादी का 70 साल का पाछै भी गांवा म्हं शिक्षा का छेत्र म्हं प्रगति न होई। गाँवा को पिछड़ोपण आज बी देखना म्हं मश्ल छै। उपन्यास म्हं लेखक अपनी कलम सूं या बतावो छाव छै क गाँवा का विकास सूं ही देस को साँचो विकास छै।

यो उपन्यास एक व नूवों श प्लॉट

यो उपन्यास र बात को भी व्यंग करे छै क जो पेडराइटर छै क प्रकाशकां की गोद म्हं बठया छै अर या बच्यार न माण्ड छै, जे परकासक छाव छै, पण या बात एक लुठो साहित्यकार कदी बकाव न होव, अर न होणी छाश्जै, असी एक साँची बात ही कर करश्णी छाजे, अर कोई सूं भी परभावित न होवे, तभी उँको सांचो करम कहलावेगो। यो उपन्यास एक ओर नुवो प्लॉट छोडश्र जारियो छै। अब तो आपणो भाई किशन को आगलो उपन्यास आवगो, जिहँ पतो चालेगो क उ परकाशक की बात मानगो या आपणा हिरदा की सांच न बयान करगो ?

समीक्षक
डॉ. नन्द किशोर महावर

दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित मरीजों को 2 साल बाद मिलेगी सरकारी मदद, दिए जाएंगे 3.15 करोड़ रुपये

हर साल 28 फरवरी को दुर्लभ बीमारी दिवस (त्तम क्पेमेंम क्ंल) मनाया जाता है. लेकिन इस बार दुर्लभ बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है दरअसल, स्वास्थ्य मंत्रालय ने दुर्लभ बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को सरकारी मदद देना शुरू कर दिया है. 2021 में नीति लागू होने के बाद यह पहली बार है, जब दुर्लभ रोगों से पीड़ित मरीजों को इस प्रकार मदद मिलने जा रही है. राष्ट्रीय नीति के तहत इनके आवेदनों को मंजूरी दी गई है. दरअसल, इंडिया टुडे ने इस मुद्दे को जनवरी में सरकार के सामने उठाया था. इसमें ऐसे मरीजों की जिंदगी के बारे में बताया गया था, जो दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित होने के कारण कष्टमय जीवन गुजार रहे हैं. इनमें से कई परिवार 2021 से सरकारी मदद के इंतजार में थे. 23 जनवरी 2023 तक एक भी परिवार को मदद नहीं मिली थी. दस्तावेजों के मुताबिक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (दुर्लभ रोग प्रकोष्ठ) ने CGH&IGI को साल 2022–23 में राष्ट्रीय आरोग्य निधि की अंब्रेला योजना के तहत वित्तीय मदद के लिए एक पत्र लिखा गया था. इसके बाद जारी की गई 3.15 करोड़ की सरकारी मदद को कर्नाटक के बेंगलुरु के 22 परिवारों में वितरित किया जाएगा.।

मार्च की गर्मी के लिए हो जाएं तैयार! दिल्ली में 33 डिग्री पारा, IMD ने बताया मौसम का हाल

दिल्ली–एनसीआर समेत उत्तर भारत के राज्यों में बीते एक सप्ताह से गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं. मौसम विभाग (प्डक) के मुताबिक, मार्च के पहले सप्ताह में दिल्ली के तापमान में इजाफा होने के साथ गर्मी और बढ़ेगी. अभी जहां दिन का तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के आस–पास चल रहा है, वो मार्च की शुरुआत से ही 33 डिग्री सेल्सियस के आस–पास पहुंचने की संभावना है. मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो दिल्ली–एनसीआर समेत उत्तर भारत में मार्च में भीषण गर्मी पड़ सकती है. दिल्ली में फरवरी के जहां मौसम सुहावना रहता है वहीं इस साल बारिश नहीं होने और तापमान में बढ़ोतरी से समय से पहले ही गर्मी का अहसास है. दिल्ली में बीते सप्ताह से अधिकतम तापमान 30 डिग्री से ऊपर दर्ज किया जा रहा है. प्डक के मुताबिक, सोमवार को भी मौसम गर्म रहा और अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से सात डिग्री सेल्सियस अधिक है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (प्डक) ने बताया कि शहर में न्यूनतम तापमान मौसम के औसत तापमान से 2 डिग्री अधिक यानी 12–13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है. आईएमडी ने आज (मंगलवार), 28 फरवरी को आंशिक तौर पर बादल छाए रहने के बीच हल्की बूंदाबांदी की संभावना व्यक्त की है. विभाग ने बताया कि आज अधिकतम तापमान करीब 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. एक मार्च को आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे. अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री रह सकता है.।

दस्तावेज लेखकों ने पूर्व विधायक राजेश शुक्ला को ज्ञापन सौंप बढे सर्किल रेट को कम कराने की मांग की

तहसील के दस्तावेज लेखकों ने पूर्व विधायक राजेश शुक्ला को राज्य सरकार द्वारा बढ़ाए गए सर्किल रेट को कम कराने से संबंधित ज्ञापन सौंपा! मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन पूर्व विधायक राजेश शुक्ला को देते हुए दस्तावेज लेखकों ने बताया कि किच्छा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत शासन द्वारा जारी नवीन सर्किल रेट में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी की गई है जिसका आम जनमानस पर अत्यधिक बोझ पड़ रहा है, तहसील क्षेत्र के कुछ गांव में छियासठ लाख रुपए प्रति हेक्टेयर को बढ़ाकर एक करोड़ पचास लाख रुपए प्रति हेक्टेयर किया गया है, बढ़ाए गए सर्किल रेट विगत वर्षो की अपेक्षा अत्यधिक अधिक हैं। कहा कि आम जनमानस के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के मुखिया पुष्कर सिंह धामी से वार्ताकर बढ़ाए गए सर्किल रेट पर पुनर्विचार करें। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने दस्तावेज लेखकों को आश्वस्त किया कि जल्दी ही वह इस विषय पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर अव्यवहारिक रूप से बढाए गए सर्किल रेट को कम कराने के लिए वार्ता करेंगे। ज्ञापन देने वालों में एडवोकेट बसंत बल्लभ पांडे, एडवोकेट प्रगट सिंह, एडवोकेट नंदन जोशी, एडवोकेट जीवन चंद जोशी, एडवोकेट अरविंद कुमार शर्मा, एडवोकेट संदीप कुमार, एडवोकेट सुखबीर सिंह, ब्रजनंदन शर्मा, रुखसाना मलिक, महेश चंद्र सागर, राजाराम, दिनेश कुमार, अनवर अली, गोविंद सिंह टाकुली, सुभाष चंद्र, तेजपाल, स्वतंत्र मिश्रा, मनोज सागर, रेवाराम गंगवार, राजपाल यादव, महेंद्र पाल, देवेंद्र सिंह, सुभाष गुप्ता, मुन्ना पाठक थे।

अधिवक्ता उमेश पाल के हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार किया जाए

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के सभागार में उत्तर प्रदेश स्थित प्रयागराज हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता उमेश पाल को शुक्रवार की शाम अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या पर दो मिनट का मौन रखकर मृतक आत्मा की शांति से प्रार्थना की गई !

एसोसिएशन के महामंत्री विमल प्रसाद सिंह एडवोकेट ने रोष व्यक्त करते हुए घटना की कड़ी निंदा की है। आगे कहा कि अधिवक्ता उमेश पाल और उनके गनर की दिनदहाड़े हत्या अति निंदनीय इस सरकार ने अधिवक्ता बंधुओं की हत्या हो रही है वह यूपी सरकार कानून व्यवस्था की पोल खोलती है इस मामले में अविलंब उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन कर दोषियों को गिरफ्तार कर उन पर कठोर कानूनी कार्रवाई किया जावे ! पूर्व उपाध्यक्ष एडवोकेट पवन कुमार सिंह ने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता हाई कोर्ट उमेश पाल की दिनदहाड़े निर्मम हत्या से पूरे प्रदेश के अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है इसलिए प्रदेश सरकार से मांग किया कि अविलंब एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए तथा सभी अधिवक्ताओं को पांच लाख निशुल्क बीमा कराया जाए तथा साथियों उमेश पाल को सरकार से एक करोड़ मुआवजा देने की मांग करता है संचालन एडवोकेट सुरेश सिंह कुशवाहा ने किया ! इस अवसर पर विनीत श्रीवास्तव एडवोकेट, राज कुमार सिंह एडवोकेट, अनिल कुमार सिंह एडवोकेट, महेंद्र कुशवाहा एडवोकेट, नवीन कुमार पांडे एडवोकेट, शाहनवाज खान एडवोकेट, फूल सिंह एडवोकेट, मनीष रंजन एडवोकेट, महेश कुमार एडवोकेट, संतोष कुमार एडवोकेट आदि अधिवक्ता गण उपस्थित थे !

कवि अशोक कुमार यादव ने मनाया शादी की सालगिरह

मुंगेली, छत्तीसगढ़ में दिनांक 27 फरवरी 2023 को अपनी शादी के 14 वीं सालगिरह अपने धर्मपत्नी संगीता यादव के साथ केक काटकर मनाया। सालगिरह में कवि के पिता जुड़ावन राम यादव, माता शांति यादव, पुत्री कैलिसा यादव, पुत्र मोहित कुमार यादव सम्मिलित हुए। सालगिरह पर डॉ. अर्चना श्रेया, डॉ. सरिता भारद्वाज, आशा यादव, संगीता चंद्रवंशी, पूजा यादव, निशा यादव, अन्नपूर्णा कौशिक, रुकमणी राठौर, विलीन बेन, दीप्ति बेंजामिन, सीमा यादव, पूजा विश्वकर्मा, खुशी साहू, कमलेश साहू, डॉ. चंद्रशेखर सिंह, रामकेश यादव, अशोक पटेल, अनिल जयसवाल, अनिल यादव, चंपालाल बंजारे, वीरेंद्र यादव, गोविंद पटेल, राजकुमार यादव, संतोष कुमार यादव, कुलदीप दिवाकर, सुनील यादव, देव गोस्वामी, राकेश गुप्त निर्मल, रवि यादव, नकुल कुमार साहू, गंगाराम साहू, मनोज यादव, रोहित सोनवानी, मोहन उपाध्याय, संदीप कुर्रे, राजू यादव, संजय कुमार श्रीवास्तव, भगत घृतलहरे, प्रकाश यादव, संतोष साहू, खेलन वर्मा, धनसिंह साहू, मनोज यादव, जीतराम साहू, वीरेंद्र जयसवाल, नारायण यादव, रामस्वरूप साहू, दीपक यादव, मनोज कुमार, राजू साहू, योगेंद्र साहू, पुरुषोत्तम यादव, शुभम तिवारी, अंकित यादव, संजय चौहान, कैलाश साहू, सूरज यादव, नीतीश राज, उदय साहू, गेंदलाल साहू, संतोष्न कुर्रे, राकी सिंह, रोहित कुर्रे, खुमान साहू, रामकृष्ण चंद्राकर, सुखनंदन बंजारे, सहित अन्य दोस्तों, परिजनों एवं कवियों ने शुभकामनाएं एवं बधाईयां दी।

डेडलाइन पूरी, फिर भी पूरा नहीं हो पाया आश्रम फ्लाईओवर पर निर्माण कार्य, हर रोज लग रहा जाम

राजधानी दिल्ली के आश्रम–डीएनडी एक्सटेंशन फ्लाईओवर को निर्माण कार्य की वजह से नए साल पर 45 दिनों के लिए बंद किया गया था. अब 2 महीने बीत गए हैं, लेकिन निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका. निर्माण कार्य में देरी का असर यातायात पर लगातार दिख रहा है. लोगों को हर रोज जाम से जूझना पड़ रहा है. दरअसल, आश्रम फ्लाइओवर को डीएनडी फ्लाइओवर से जोड़ा जा रहा है. इसके लिए आश्रम फ्लाइओवर पर 1 जनवरी की तारीख से निर्माण कार्य शुरू किया गया था. इस कार्य को पूरा करने के लिए 45 दिन यानी 15 फरवरी का लक्ष्य रखा गया था. लेकिन डेडलाइन खत्म होने के बाद भी निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है. इसके चलते नोएडा दिल्ली रूट पर हर रोज भीषण जाम लगता है. लोग 2–2 घंटे तक जाम में फंसे रहते हैं. आश्रम डीएनडी एक्सटेंशन फ्लाईओवर निर्माण के चलते आस पास की सड़कों पर भारी जाम लग रहा है. दिल्ली के मथुरा रोड पर भी गाड़ियां रेंगती नजर आती हैं. अभी फ्लाईओवर पर कई कार्य अधूरे पड़े हैं. रेलिंग लगना बाकी है. हालांकि, कहा जा रहा है कि कुछ दिनों में काम पूरा हो जाएगा, इसके बाद इसे जनता के लिए खोल दिया जाएगा.।

हाथ से हाथ जोड़ो अभियान में भारी उत्साह एवं जन समर्थन

अखिल भारतीय कांग्रेस के आवाहन एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशन तथा जिला कांग्रेस कमेटी रीवा व संगठन प्रभारी रीवा के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी डभौरा द्वारा निरंतर चल रही हाथ से हाथ जोड़ो अभियान यात्रा आज दिनांक 27 फरवरी को जिरौहा एवं कोटा में घर–घर जनसंपर्क किया एवं कांग्रेस पार्टी का संदेश पहुंचाया 26 जनवरी से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरुण सिंह षपिंटूष के संयोजकत्व एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता बृजेंद्र कुमार पांडे के नेतृत्व में निरंतर चल रही यात्रा गांव गांव गली मोहल्लों में घर–घर पहुंचकर जहां कांग्रेश के द्वारा किए गए देश के विकास गरीब, किसान, मजदूर, नौजवानो के हित में किए गए निर्माणों एवं कार्यों को लोगों को याद दिलाई वहीं भारतीय जनता पार्टी की देश एवं प्रदेश की सरकार द्वारा बोले गए झूठ पूंजीपतियों के हित गरीब जनमानस के विरोधा में किए गए निर्णय महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार नफरत फैलाने जैसे कार्यों से लोगों को अवगत कराया उल्लेखनीय है कि हाथ से हाथ जोड़ो अभियान को जनमानस का भारी समर्थन मिल रहा है एवं आम आदमी में भारी समर्थन देखने को मिल रहा है आज की हाथ जोड़ो अभियान यात्रा में प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदीप सिंह पटना वरिष्ठ कांग्रेस नेता बृजेंद्र कुमार पांडे, राम नायक सिंह जिला कांग्रेस महामंत्री, अरुण सिंह पिंटू अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस डभौरा, रामटहल जयसवाल सेक्टर अध्यक्ष, राजेंद्र यादव, राजेश वर्मा, महेश प्रसाद तिवारी, जितेंद्र कुमार, विजय कुमार, प्रसून सिंह, उपेंद्र तिवारी, जीवनलाल, मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की बैठक आयोजित

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की एक बैठक जिला उपाध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार महेश शर्मा के पुराना धामपुर चुंगी स्थित कार्यालय पर आहूत की गई।जिसमें मुख्य अतिथि डॉ नरेश पाल ने सभी सदस्यों को सँगठित होने का आवाहन किया।बैठक में नये सदस्य बनाने व पुराना सदस्य शुल्क जमा करा कराने का आह्वान किया गया।बैठक में अफजलगढ़,धामपुर, नहटौर,स्योहारा से आए सभी पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त किया गया। बैठक में सुनील कुमार,सुनील नारायण,सुनील अग्रवाल (सनी),स.गिरेन्द्र सिंह,विनय भार्गव,अंकुर गुप्ता,सुनील कुमार,वरिष्ठ पत्रकार महेश शर्मा,इन्दर सिंह चौहान ने भाग लिया।अन्त में चांदपुर निवासी वरिष्ठ पत्रकार विनोद कुमार शर्मा की पत्नी के आकस्मिक निधन पर यूनियन की ओर से शोक संवेदना व्यक्त की गई।

कपिल कुटीर सांख्य योग आश्रम का त्रिदिवसीय वार्षिक महोत्सव २ मार्च से

वृन्दावन। छटीकरा रोड़ स्थित श्रीकपिल कुटीर सांख्य योग आश्रम में ठाकुर श्रीराधिका बिहारी जू महाराज का त्रिदिवसीय वार्षिक पाटोत्सव एवं होली महोत्सव का आयोजन 2 से 4 मार्च 2023 पर्यंत विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया है।महोत्सव के समन्वयक डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि महामंडलेश्वर साध्वी राधिका साधिका पुरी (जटा वाली मां) के पावन सानिध्य में आयोजित होने वाले इस महोत्सव का शुभारंभ 2 मार्च को प्रातः 7 बजे दीप प्रज्वलन, अखंड रामायण पाठ व अखंड हरिनाम संकीर्तन के साथ होगा।तत्पश्चात अपराह्न 2 बजे से ठाकुरजी की डोला सवारी (शोभायात्रा) समूचे नगर में गाजे बाजे के साथ निकाली जाएगी।3 मार्च को प्रातः 7 से 11 बजे तक विश्व कल्याणार्थ वृहद यज्ञ होगा।पूर्वाह्न 11रू30 बजे से अपराह्न 1 बजे तक संत विद्वत सम्मेलन का आयोजन होगा।तत्पश्चात महामंडलेश्वरों, महंतों, संतों व विप्रों आदि का वृहद भंडारा होगा। 4 मार्च को निरूशुल्क आयुर्वैदिक चिकित्सा शिविर, भजन संध्या व यज्ञ की पूर्णाहुति होगी। डॉ. गोपाल चतुर्वेदी 9412178154।

जियो हेरिटेज ऑफ जबलपुर एण्ड इट्स नेबरहुड विषय पर व्याख्यान का हुआ सार्थक आयोजन

जबलपुर।शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के भू–विज्ञान विभाग में साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ इकानॉमिक जियोलॉजिस्ट के अंतर्गत सुब्बाराव मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया गया। जिसमें उपरोक्त अन्तर्राष्ट्रीय एसोसिएशन के जबलपुर चौप्टर के अध्यक्ष व प्रख्यात भूवैज्ञानिक एवं जबलपुर के भूवैज्ञानिक पर्यटन एवं भूवैज्ञानिक स्थलों के अग्रगण्य पुरोधा प्रोफेसर विजय खन्ना द्वारा षजियो हेरिटेज ऑफ जबलपुर एंड इट्स नेवरहुडष विषय पर व्याख्यान दिया गया।इस दौरान उन्होंने जबलपुर व उसके आस–पास स्थित बहुमूल्य भूवैज्ञानिक विरासत स्थलों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए, उसके महत्व और संरक्षण की आवश्यकता के बारे में अवगत् कराया।इस कार्यक्रम में भूविज्ञान विभाग के समस्त आचार्य गण एवं विद्यार्थी उपस्थित होकर लाभान्वित हुए।

डिस्चार्ज होकर घर पहुंचे कांग्रेस नेता देवेंद्र कुमार पंकज हालत खतरे से बाहर

किसान कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष खीरी ध्सह प्रभारी लखनऊ मंडल किसान कांग्रेस यूपी देवेंद्र कुमार ष्पंकजष का 18 जनवरी को लखीमपुर मेला मैदान में भयंकर एक्सीडेंट हो गया था जिन्हें लखीमपुर प्रथम ट्रीटमेंट के बाद लखनऊ रेफर कर दिया गया था इस बीच वह ना कुछ बोल पा रहे थे और ना ही हाथ पेर चला पा रहे थे लखनऊ एक प्राइवेट नर्सिंग होम में देवेंद्र कुमार ष्पंकजष को भर्ती कराया गया था जहां इलाज चल रहा था हालत में सुधार होने पर उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है और वह घर आ गए हैं हालांकि अभी 1 माह तक डॉक्टरों की टीम की निगरानी में रहेंगे और देवेंद्र कुमार ष्पंकजष घर पर ही आराम करेंगे डॉक्टरों के मुताबिक अब खतरे से बाहर है करीब 5 दिन तक वह कोमा में रहे इस बीच प्राइवेट नर्सिंग होम जिसमें में भर्ती थे लखनऊ में वहां कांग्रेस के नेताओं सहित अन्य नेताओं का भी जमावड़ा लगा रहा प्रदेश कार्यालय और केंद्रीय कार्यालय से भी लोग देवेंद्र कुमार ष्पंकजष को देखने आए हालाकी अब हालत में सुधार है । हालांकि अभी चलने में दिक्कत हो रही है।

आज सिंचाई के लिए पानी की समस्या को लेकर किसानों ने एसडीएम कार्यालय सिरमौर में दिया धरना

सिरमौर क्षेत्र के ग्राम पड़री, मरैला, सदहना, डोल, मऊ, महरी आदि गांवों के किसानों ने सिंचाई के लिए पानी की समस्या को लेकर दिया धरना एवं ज्ञापन सौंपा, जिसमें एसडीएम सिरमौर द्वारा मामले को संज्ञान में लेकर संबंधित अधिकारी से बात कर 24 घंटे के अंदर किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने की बात कही ।किसानों की धरना की जानकारी मिलते ही जिला कांग्रेस कमेटी रीवा के कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश सिंह जी पहुंचे एवं किसानों के साथ कई घंटों तक धरना स्थल में उपस्थित रहे एवं किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी। जिसमें मुख्य रुप से किसान चरण सिंह मरैला, अनूप सिंह पडरी,दिलीप सिंह मरैला, पारखद सिंह मरैला, विनोद द्विवेदी पड़री, विकास मिश्रा डोल, बांकेलाल शुक्ला मऊ, प्रवीण सोनी , कुशल सिंह , उपेंद्र सिंह , अखिल मिश्रा , रमाकांत द्विवेदी, गुड्डू सिंह, नारायण सिंह, धर्मेंद्र सिंह ,अविनाश सिंह, सुधाकर द्विवेदी , नीरज सोनी नीरज मिश्रा प्रिंस तिवारी एवं सैकड़ों किसान धरना में उपस्थित रहे।

पी०एम० सेतु निगम के द्वारा निर्माणधीन परियोजनाओं में अपेक्षित प्रगति न होने पर प्रतिकूल प्रविष्टि का निर्देश

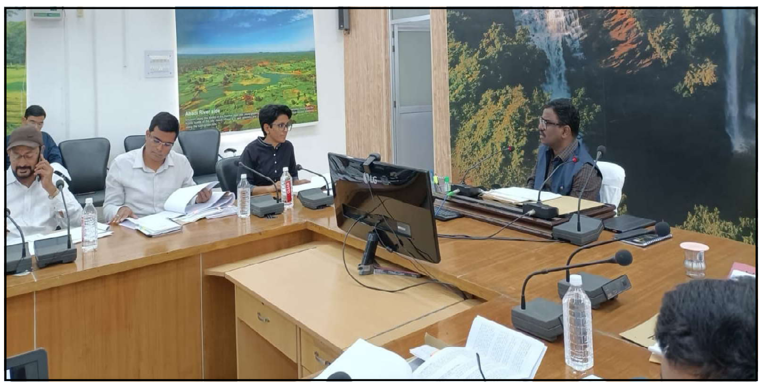

मण्डलायुक्त ने समीक्ष बैठक मे अधीक्षण अभियन्ता सिंचाई, परियोजना अधिकारी डूडा, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सोनभद्र, एच0एल0 इंफाटेक, राजकीय निर्माण निगम इकाई के बैठक में अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण के निर्देश

पी0एम0 सेतु निगम के द्वारा निर्माणधीन परियोजनाओं में अपेक्षित प्रगति न होने पर प्रतिकूल प्रविष्टि का निर्देश

मण्डलायुक्त द्वारा जनपद के तीनों मुख्य विकास अधिकारी, कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों के साथ बैठक कर 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं के प्रगति के बारे में ली जानकारी सभी मुख्य विकास अधिकारी बड़ी परियोजना का स्वयं मौके पर जाकर प्रगति का करे निरीक्षण –मण्डलायुक्त

मण्डलायुक्त डॉ मुथुकुमार स्वामी बी0 ने आज आयुक्त सभागार में कार्यालय में मण्डल के तीनों मुख्य विकास अधिकारियों के साथ बैठक कर 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन 165 परियोजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस, सोनभद्र के सौरभ गंगवार, व भदोही के यशवंत कुमार सिंह, उप निदेशक अर्थ संख्या रजनीश, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी शशिकान्त, परियोजना अधिकारी डूडा प्रतिभा श्रीवास्तव, सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में मण्डलायुक्त ने निर्देशित करते हुये कहा कि जिन विभागों के पास धनराशि उपलब्ध हैं वे समय कार्य पूर्ण कराते हुये हैण्डओवर कराना सुनिश्चित करें। बैठक में अधीक्षण अभियन्ता सिचाई, परियोजना अधिकारी डूडा सोनभद्र, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र, एच0एल0 इंफाटेक, राजकीय निर्माण निगम इकाई के द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के बैठक में अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण के निर्देश दिया। पी0एम0 सेतु निगम के द्वारा सोनभद्र में सिल्पी कोडा कार्य में प्रगति कम एवं कणावर्ती नदी पुल निर्माण के बाद एप्रोच रोड न बनाये जाने पर प्रतिकूल प्रविष्टि एवं अन्य परियोजनाओं में कम प्रगति पर कार्यवाही का निर्देश दिया। मण्डलायुक्त ने तीनों जनपदों के मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि बड़ी परियोजनाओं का स्वयं निरीक्षण करें। उन्होने सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि हेल्थ सेंटरो, पी0एच0सी0, आरोग्य केन्द्र, निरीक्षण करें तथा अपर निदेशक स्वास्थ्य भी 10 से 20 प्रतिशत निरीक्षण स्वयं करें। लोक निर्माण विभाग द्वारा पुल एवं बैरक निर्माण के सम्बन्ध में पूर्व बैठक में जनवरी 2023 तक पूर्ण कराने अश्वासन देने के उपरान्त कार्य पूर्ण न होने पर मण्डलायुक्त द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की एवं अन्तिम चेतावनी देते हुये निर्देशित किया कि मार्च 2023 तक कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। अटल आवासीय विद्यालय सोनभद्र समीक्षा में पाया गया कि कार्य पूर्ण नही हुआ है, जबकि इसी सत्र प्रवेश प्रारम्भ होना था मण्डलायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुये उप श्रमायुक्त को निर्देश दिया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाए यथा फर्नीचर, कमरा आदि सभी व्यवस्थाये पूर्ण कराते हुये संचालन कराना सुनिश्चित करायें। मण्डलायुक्त ने कहा कि इसकी मानिटरिंग मुख्यमंत्री द्वारा स्वंय किया जा रहा हैं। कार्यदायी संस्था सी0एन0डी0एस0 व आर0ई0एस0 के द्वारा हेल्थ सेंटर व पी0एच0सी0 निर्माण में कम प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुये समय रहते पूर्ण कराने का निर्देश दिया। कस्तूरबा गांधी एकेडमिक विद्यालय धनराशि उपलब्ध न होने पर जिला विद्यालय निरीक्षक अमरनाथ सिंह को निर्देशित किया कि उपयोगिता प्रमाण पत्र भेजते हुये धनराशि उपलब्ध कराकर कार्य पूर्ण कराये। नवीन राजकीय हाईस्कूल कार्य पूर्ण न होने पर मुख्य विकास अधिकारी कार्यवाही का निर्देश दिया। उ0प्र0 पुलिस आवास निगम के द्वारा 200 बैरक एवं ट्राजिट हास्टल में निर्माण अपेक्षित प्रगति न लाये जाने पर कार्यवाही का निर्देश दिया। मण्डलायुक्त ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुये कहा कि मैन पावर की संख्या वृद्धि करते हुये कार्य समय सीमा के अर्न्तपूर्ण कराना सुनिश्चित करें, कार्य समय पूर्ण होने पर सम्बन्धित अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुये कार्यवाही की जायेगी।

जन सुनवाई हेतु 03 मार्च को किया जायेगा ग्राम चौपाल का आयोजन

मीरजापुर 27 फरवरी सोमवार को आयुक्त ग्राम्य विकास ने ग्राम चौपाल का आयोजन किये जाने का सम्बन्धित को निर्देश दिया। उक्त निर्देश के तहत आगामी 03 मार्च को विधानसभा मझवा के विकास खण्ड पहाड़ी में ग्राम पंचायत पहिती, सरैया कमरघटा विकास खण्ड मझवा में गेगराव, मझवा, विधानसभा मझवा विकास खण्ड सिटी के महुवारी कला, चितावनपुर, विधानसभा नगर के विकास खण्ड कोन में भटेवरा, मवैया, विधानसभा छानबेध्नगर विकास खण्ड छानबे के ग्राम पंचायत रामपुर हंसवार, कलना गहरवार विधानसभा छानबे विकास खण्ड लालगंज में बनवारी, लहंगपुर, विकास खण्ड हलिया में मतवार, नदना, विधानसभा मड़िहान विकास खण्ड पटेहरा कला में हरदी मिश्र, पियुरी, विकास खण्ड राजगढ़ में खोराडीह, पड़रवा विधानसभा चुनार विकास नरायनपुर में अगरखण्ड, दरदा, विकास सीखड़ में बगहा, पसीयाही, विधानसभा चुनार विकास खण्ड जमालपुर में रसूलपुर, भदावल में चौपाल का आयोजन किया जायेगा। ग्राम चौपाल हेतु चयनित ग्राम पंचायत को सांसद व विधायको के सुझाव के अनुसार परिवर्तन सम्भव हैं।

आवश्यकता है
झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवम
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर, विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !
सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

मौके में मनगवां थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ पहुंचे बस में फंसे सभी घायलों को बाहर निकाल कर संजय गांधी अस्पताल भेजा

मनगवां के नेशनल हाईवे में सड़क हादसा खड़े हाइवा डम्फर से टूरिज्म बस टकराई 1 दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल मौके में मनगवां थाना प्रभारी जेपी पटेल पुलिस बल के साथ पहुंचे सभी घायलों को संजय गांधी अस्पताल भेजा गया बताया जाता है कि बंगलुरु के टूरिज्म थे जो बनारस काशी विश्वनाथ का दर्शन कर वापस नागपुर होते हुए बेंगलुरु जा रहे थे लेकिन मनगवां में सड़क पर खड़ा एक डंपर के चलते बस टकरा गई और बस टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई इस घटना की सूचना मिलते ही मनगवां थाना प्रभारी जेपी पटेल पुलिस बल के साथ पहुंचे कुछ अन्य लोगों का सहयोग लेकर बस में सभी फंसे लोगों को बाहर किया कुछ लोग बुरी तरह से फंस गए थे जिनका निकलना मुश्किल हो रहा था लेकिन पुलिस ने काफी मशक्कत करके फसे लोगों को बाहर निकाला मौके में क्रेन भी बुलाई गई जो बस और डंपर को अलग किया और सभी गंभीर घायलों को संजय गांधी अस्पताल एंबुलेंस के माध्यम से भेजा गया पुलिस ने बताया कि हाइवा डंपर मंगवा कहीं पिंटू गुप्ता का और डंपर के कारण इस तरह की बड़ी दुर्घटना हो गई वहीं इस घटना की सूचना एसपी रीवा नवनीत भसीन एवं कलेक्टर रीवा मनोज पुष्प को दी गई है घटना 5:30 भोर की है।

भारतीय सर्व सेवा संगठन के पदाधिकारियों ने नवागत अपर कलेक्टर का पुष्प भेंट कर किया स्वागत साथ ही कई मुद्दों पर हुई चर्चा

मध्यप्रदेश भारतीय सर्व सेवा संगठन के पदाधिकारियों ने संगठन के अध्यक्ष उमेश पिडिहा के नेतृत्व में रीवा जिले के नवागत अपर कलेक्टर नीलमणि अग्निहोत्री जी पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया साथ ही कई विषयों पर चर्चा की गई संगठन के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए अपर कलेक्टर ने कहा कि जिले की जो भी समस्याएं हैं हमारे द्वारा त्वरित निदान की जाएंगी साथ ही जो भी शासन–प्रशासन की योजनाएं चल रही है हम हर हितग्राहियों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष उमेश पिडिहा गुढ़ विधानसभा अध्यक्ष संजय चौरसिया भूतपूर्व सैनिक इकाई के अध्यक्ष रत्नेश मिश्रा संदीप चौरसिया अंजनी चौरसिया युवा इकाई के जिला अध्यक्ष शुभम उपाध्याय विवेक त्रिपाठी शिवेश चतुर्वेदी उमेश पाठक सहित कई लोग उपस्थित रहे।

हदयांगन के साहित्य महोत्सव में बही काव्य रस की धारा

हृदयांगन साहित्यिक सामाजिक सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पंजीकृत संस्था मुंबई की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के तारतम्य में आयोजित अमर –पुष्कर साहित्य महोत्सव में कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।इसी के मध्य साहित्य जगत के विभिन्न मनीषियों को विद्यावारिधि सम्मान से सम्मानित भी किया गया।शनिवार २५ फरवरी २०२३ को यह महफिल सर्वे चौक स्थित आई आर डी टी प्रेक्षागृह में में सजी, जिसमें काव्य रस प्रवाहित हुआ। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार के सचिव कार्यक्रम कार्यान्वयन उत्तराखंड शासन माननीय दीपक गैरोलाध जी ने टपकेश्वर महादेव मंदिर के महन्त श्री श्री १०८ कृष्णागिरि जी महाराज की पावन उपस्थिति मे ने दीप प्रज्वलित कर की। इसके बाद श्रीमती अनुपम शुक्ला जी (लखनऊ), ने सरस्वती वंदना से किया तत्पश्चात बाल कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। बाल कलाकारों में चिरंजीव मलय अच्युत अलख के गीत बांसुरी एवं तबला वादन कुमारी सौम्या का कत्थक नृत्य कु० ईशानी कु० आराध्या की रामायण गायन दर्शकों द्वारा खूब सराही गई।तत्पश्चात महोत्सव का दूसरा चरण व्याख्यान माला की शुरुआत हुई जिसकी अध्यक्षता जाने माने साहित्यकार डा० प्रेम शंकर त्रिपाठी ने की जो कोलकाता से पधारे। प्राप्त जानकारी के अनुसार संस्था के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी विनय शर्मा दीप ने बताया कि २७ कवियों के सम्मेलन के प्रथम एवं द्वितीय सत्र में देश के विभिन्न राज्यों से आए कवियों ने अपनी प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। जिसमें मनोज मानव जी ने कहीं चांदी कहीं चमचे हैं, संजीव ने अगर हम लोग भी डरने लगेंगे,आओ मिलकर हम उनको नमन करें, नीरज कान्त सोती जी ने क्या पता कल अपने हाथ जोड़ पाएंगे या नहीं कविता प्रस्तुत की। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डा० अलका अरोड़ा जी ने तथा संचालन गुजरात अहमदाबाद से आये प्रसिद्ध गजलकार एवं मंच संचालक श्री विजय तिवारी ने की।द्वितीय सत्र की अध्यक्षता रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी श्प्रलयंकरश ने एवं संचालन का भार उत्तर प्रदेश बाराबंकी से राम किशोर तिवारी ने संभाला।प्रख्यात मिश्रा, जमुना प्रसाद पाण्डेय,व्याख्या मिश्रा,मीरा रामनिवास,विजय तिवारी,पूजा गोयल,अजीत सिंह राठौर,रमेश चंद्र माहेश्वरी,शारदा प्रसाद दुबे शरतचन्द्र,अरूण प्रकाश मिश्र अनुरागी अशोक निर्दोष जज,नीरज कान्त सोती, शशांक चतुर्वेदी,मनोज मानव,संजीव कुमार, कृष्ण कुमार पाठक,मंजू जौहरी,अलका अरोड़ा, विद्युत प्रभा चतुर्वेदी श्मंजूश, रितु श्रीवास्तव एवं विधुजी ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की।इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष महोदय विधु भूषण त्रिवेदी विद्या वाचस्पति,अध्यक्ष डा० विद्युत प्रभा चतुर्वेदी श्मंजूश कार्यक्रम संयोजक डा०अलका अरोड़ा आदि उपस्थित रहे।इससे पूर्व व्याख्यान माला में पाश्चात्य देशों की संस्कृति का भारतीय सनातन संस्कृति एवं नव पीढ़ी पर बढ़ता दुष्प्रभाव पर मंथन व चिंता व्यक्त की। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में कवियत्री विद्युत प्रभा चतुर्वेदी श्मंजूश्की वंदना के स्वर, कवियत्री मधु प्रसाद जी की प्रदक्षिणा करता है मौसम,कवि शारदा प्रसाद दुबे की कंचन कलश,कवियत्री मीरा रामनिवास की सूरज प्यासा लौट जाता है,डा० अरुण प्रकाश अनुरागी की दिव्य ज्ञान एवं हमारी गंगा,विधु भूषण त्रिवेदी की मां तुम्हें प्रणाम आदि पुस्तकों विमोचन पीठाधीश्वर यश्रीय श्री १०८ महन्त श्री कृष्ण गिरी के कर कमलों से द्वारा। सम्मान समारोह के दौरान सभी विद्वतजनो को विद्यावारिधि सम्मान एवं श्री रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी प्रलयंकर को छन्द सम्राट कवि भूषण सम्मान एवं श्रीमती अनुपम शुक्ला को लता मंगेशकर स्मृति गायन सम्मान से नवाजा गया।प्रयोजक के रूप में मयंक चतुर्वेदी,स्वामी एवं हदयांगन परिवार की अहम भूमिका रही।

भगवान शिव की निकाली गई भव्य शोभायात्रा

विकास खंड मछलीशहर के गांव बामी में मंगलवार को भगवान शिव की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। गांव में स्थित बामेश्वर महादेव मंदिर में सुबह पूजन अर्चन करने के पश्चात मंदिर परिसर से आरम्भ होकर शोभा यात्रा मुख्य सड़क से होते हुए गांव की विभिन्न बस्तियों में भ्रमण किया। भगवान शिव की शोभा यात्रा में शिव भक्त भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे।

आपको बताते चलें कि बामेश्वर महादेव मंदिर पर 23 फरवरी से ही राम जानकी मठ तिलौरा के मठाधीश रवीन्द्र जी महाराज द्वारा मौन तपो अनुष्ठान जारी है। बुधवार को रुद्राभिषेक के पश्चात् हवन का कार्यक्रम होगा और शाम को विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है जिसमें बामी सहित पास पड़ोस के गांवों के शिव भक्तों को आमंत्रित किया गया है।

मनगवां बस दुर्घटना के बाद आरटीओ टीमों के में पहुंचे

मनगवां में हाईवे ट्रक से बेंगलुरु जाने वाली टूरिस्ट बस दुर्घटना के बाद मौके में रीवा आरटीओ टीम पहुंची रीवा आरटीओ मनीष त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि बस दुर्घटना में घायल सभी लोगों को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है वहीं शेष 40 लोग ऐसे हैं जिनके चोटे नहीं आई थी उन्हें गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक अलग से बस की व्यवस्था की गई है जो बस को मनगवां में भेज दिया गया है और उनको खाने पीने की व्यवस्था के बाद कुछ ही देर में बस सभी सवारियों को लेकर बंगलुरु के लिए रवाना होगी वही आरटीओ ने बताया है कि इस घटना में दोषी हाईवे ट्रक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है प्रथम दृश्या मनगवां पुलिस ने कार्रवाई की है इसके बाद प्रकरण आरटीओ को भेजा जाएगा और जांच में जो भी गड़बड़ी पाई जाएगी परिवहन अधिनियम के तहत हाइवा ट्रक के खिलाफ कार्रवाई संपादित की जाएगी।

जयसिंह घेरा में चार दिवसीय होली महोत्सव 3 मार्च से

वृन्दावन।चीरघाट स्थित जयसिंह घेरा में श्रीकृष्ण चौतन्य प्रेम संस्थान के द्वारा चार दिवसीय होली महोत्सव 3 मार्च से 6 मार्च 2023 पर्यंत अत्यंत धूमधाम के साथ आयोजित किया गया है। श्रीराधा कृपा रासलीला संस्थान के महासचिव राधाकांत शर्मा ने बताया है कि ठाकुर श्रीराधा रमण मन्दिर के सेवायत वैष्णवाचार्य श्रीवत्स गोस्वामी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित इस महोत्सव में राष्ट्रपति पुरूस्कार प्राप्त, विश्वविख्यात रासाचार्य, ब्रज विभूति स्वामी फतेहकृष्ण शर्मा के निर्देशन में प्रातः गौरांग महाप्रभु लीला एवं सायं श्रीकृष्ण लीला का आयोजन होगा।जिसका दर्शन करने के लिए देश–विदेश से असंख्य भक्त–श्रृद्धालु श्रीधाम वृन्दावन आ रहे हैं।इस महोत्सव में सभी प्रभु भक्त सादर आमंत्रित हैं। डॉ. गोपाल चतुर्वेदी 9412178154।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने आज विंध्यवासिनी धाम में दर्शन पूजन किया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने आज विंध्यवासिनी धाम में दर्शन पूजन किया। वे दो दिवसीय दौरे पर कल अपराह्न विंध्याचल आए हुए थे, जहां उन्होंने पहले दिन महुआरी स्थित देवरहा हंस बाबा आश्रम में महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।सत्संग में बाबा के विचारों को सुना। रात्रि में आश्रम में ही विश्राम करने के बाद आज सुबह आश्रम में बने एक नए भवन का उद्घाटन किया साथ ही आश्रम में स्थित हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर देशी घी के 51 मन लड्डू का भोग लगाने के बाद पुनः बाबा का आशीर्वाद लेने के बाद मां विंधयवासिनी का दर्शन किया है। दर्शन के बाद प्रयागराज के लिए रवाना हो गये। आर एस एस प्रमुख हंस बाबा के आश्रम में सशक्त व अखंड राष्ट्र की कामना से आया करते हैं। देवरवा हंस बाबा की भारत को विश्व गुरु के रूप में पुनः देखना चाहते हैं। इस अवसर पर सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था रही। संघ और भाजपा के प्रमुख लोग व्यवस्था में जुटे रहें।

एफ एल एन का दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ

जौनपुर।आज बी0आर 0सी बदलापुर पर एफ एल एन का प्रशिक्षण खंड शिक्षाधिकारी शैलेंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर खंड शिक्षाधिकारी और प्राथमिक शिक्षक संघ बदलापुर के अध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह द्वारा पुष्प,माल्यार्पण अर्पित करके किया गया। डाक्टर ज्योति मिश्रा द्वारा ईश वंदना प्रस्तुत किया गया। इस प्रशिक्षण में विकास खंड के सभी ए आर पी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में दो एन जी ओ के सदस्य भी उपस्थित रहकर सभी लोगों को भाषा और गणित में बच्चों को निपुण बनाने के लिए प्रेरित किया।यह प्रशिक्षण ऐसे लोगों को दिया जा रहा है जो कक्षा 4 और 5 में पढ़ाते हैं।इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य भाषा और गणित में बच्चों की पकड़ को मजबूत करना है,जिससे बच्चा आसानी से समझ के साथ पढ़ लिख सके।ए आर पी राजभारत मिश्र ने सभी शिक्षकों को प्रशिक्षण लेकर विद्यालय में क्रियान्वित करने पर बल दिया।डाक्टर ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि गणित में बच्चों को निपुण करना भाषा की तुलना में अधिक आसान होता है।खंड शिक्षाधिकारी ने कहा कि किसी प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य होता है कि बच्चे के व्यवहार में परिवर्तन सकारात्मक होना चाहिए।डाक्टर राकेश पाल ने सभी लोगों को प्रशिक्षण पूरे मनोयोग से लेने के लिए प्रेरित किया। उमेश चंद्र दुबे ने भी प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।यह प्रशिक्षण डायट प्राचार्य डाक्टर राकेश सिंह व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डाक्टर गोरखनाथ पटेल के निर्देशन में हो रहा है।इस अवसर पर सच्चिदानंद तिवारी,उपेंद्रनाथ उपाध्याय,उत्कर्ष सिंह,दिनेश कुमार यादव,राम अनुज मिश्र,माता फेर गुप्ता,आशीष कुमार पांडे,दुर्गाप्रसाद पांडे आदि लोग उपस्थित रहे।

सियासी अवसरवाद और बार–बार पाला–बदल से नेपाली समाज में नेताओं की इज्जत घटी

नेपाल में हाल की राजनीतिक घटनाओं से सिविल सोसायटी में गहरी नाराजगी की भावना देखी जा रही है। खास कर जिस तरह प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने दो महीने के अंतराल पर दो बार पलटी खाई, उससे राजनेताओं को लेकर असम्मान का भाव बढ़ा है। दहल ने बीते 25 दिसंबर को नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन छोड़ कर पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के समर्थन से नई सरकार बना ली थी। लेकिन अब वे यूएमएल का साथ छोड़ कर फिर नेपाली कांग्रेस के गठबंधन में चले गए हैं। दहल की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के साथ साथ यूएमएल के नेतृत्व वाले गठबंधन की तीन और पार्टियों ने भी पाला बदल लिया है।

नेपाल की त्रिभुवन यूनिवर्सिटी में राजनीति शास्त्र के प्रोफेसर राजेश गौतम ने कहा है कि हालिया घटनाओं के बारे में दो तरह की समझ रखी जा सकती है। पहली तो यह कि नेपाल में जिस तरह की चुनाव प्रणाली अपनाई गई है, उसमें किसी एक पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिलना लगभग असंभव है। जबकि देश के नेता गठबंधन की संस्कृति में ढल नहीं पाए हैं, इसलिए यहां गठबंधन ज्यादा समय तक टिक नहीं पाते। दिसंबर में सात दलों का गठबंधन प्रधानमंत्री कौन बनेगा, इस सवाल पर टूटा था। तब नेपाली कांग्रेस यह पद दहल को देने को तैयार नहीं थी।

अब यूएमएल के नेतृत्व वाला गठबंधन राष्ट्रपति चुनाव के मुद्दे पर टूटा है। दिसंबर में बनी सहमति के मुताबिक यह पद यूएमएल को मिलना था, लेकिन दहल इस वादे से मुकर गए। अब वे नौ मार्च को होने वाले इस चुनाव में नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार का समर्थन कर रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषक राजेंद्र महाराजन ने अखबार काठमांडू पोस्ट से कहा– 'जब नेता अपने गठबंधन के ऊपर अपने निजी स्वार्थ को तरजीह देते हैं, तो गठबंधन के टूटने का खतरा हमेशा बना रहता है। यही बात नेपाल में वर्षों से दोहराई जा रही है।'

प्रधानमंत्री दहल को ऐसे अवसरवादी खेल का सबसे माहिर खिलाड़ी बताया जा रहा है। पर्यवेक्षकों ने ध्यान दिलाया है कि पिछले नवंबर में हुए आम चुनाव में माओइस्ट सेंटर को सिर्फ 32 सीटें मिली थीं। इसके बावजूद दहल ने प्रधानमंत्री बनने की ठान ली। इसके लिए पहले उन्होंने नेपाली कांग्रेस का साथ छोड़ा। ये बाजी हाथ से निकलने के बाद नेपाली कांग्रेस ने यूएमएल के नेतृत्व वाले गठबंधन को तोड़ने की चाल चली। पर्यवेक्षकों के मुताबिक दहल कभी भी केपी शर्मा ओली के साथ काम करने में सहज नहीं रहे हैं। इसलिए नेपाली कांग्रेस से उन्हें प्रधानमंत्री बनाए रखने का आश्वासन मिलते ही उन्होंने फिर पाला बदल लिया।

विश्लेषकों ने कहा है कि अगर सिर्फ 2017 के बाद से गठबंधनों के बनने और टूटने की घटनाओं पर ध्यान दिया जाए, तो यह साफ हो जाएगा कि नेपाली राजनीति में अवसरवादी दांव अपवाद नहीं, बल्कि आम बात हो गए हैं। महाराजन ने कहा– 'एक खास संदर्भ में बने गठबंधन राजनीतिक स्थिति बदलने से पहले ही टूट जाते हैं।'

खबरों के मुताबिक अब दहल, नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के प्रमुख माधव कुमार नेपाल के बीच मौजूदा प्रतिनिधि सभा के कार्यकाल में बारी–बारी से प्रधानमंत्री बनने पर सहमति बनी है। लेकिन इस पूरी अवधि तक यह गठबंधन टिका रहेगा, यह भरोसा किसी को नहीं है।

नेपाल में हाल की राजनीतिक घटनाओं से सिविल सोसायटी में गहरी नाराजगी की भावना देखी जा रही है। खास कर जिस तरह प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने दो महीने के अंतराल पर दो बार पलटी खाई, उससे राजनेताओं को लेकर असम्मान का भाव बढ़ा है। दहल ने बीते 25 दिसंबर को नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन छोड़ कर पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के समर्थन से नई सरकार बना ली थी। लेकिन अब वे यूएमएल का साथ छोड़ कर फिर नेपाली कांग्रेस के गठबंधन में चले गए हैं। दहल की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के साथ साथ यूएमएल के नेतृत्व वाले गठबंधन की तीन और पार्टियों ने भी पाला बदल लिया है।

नेपाल की त्रिभुवन यूनिवर्सिटी में राजनीति शास्त्र के प्रोफेसर राजेश गौतम ने कहा है कि हालिया घटनाओं के बारे में दो तरह की समझ रखी जा सकती है। पहली तो यह कि नेपाल में जिस तरह की चुनाव प्रणाली अपनाई गई है, उसमें किसी एक पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिलना लगभग असंभव है। जबकि देश के नेता गठबंधन की संस्कृति में ढल नहीं पाए हैं, इसलिए यहां गठबंधन ज्यादा समय तक टिक नहीं पाते। दिसंबर में सात दलों का गठबंधन प्रधानमंत्री कौन बनेगा, इस सवाल पर टूटा था। तब नेपाली कांग्रेस यह पद दहल को देने को तैयार नहीं थी।

अब यूएमएल के नेतृत्व वाला गठबंधन राष्ट्रपति चुनाव के मुद्दे पर टूटा है। दिसंबर में बनी सहमति के मुताबिक यह पद यूएमएल को मिलना था, लेकिन दहल इस वादे से मुकर गए। अब वे नौ मार्च को होने वाले इस चुनाव में नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार का समर्थन कर रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषक राजेंद्र महाराजन ने अखबार काठमांडू पोस्ट से कहा– 'जब नेता अपने गठबंधन के ऊपर अपने निजी स्वार्थ को तरजीह देते हैं, तो गठबंधन के टूटने का खतरा हमेशा बना रहता है। यही बात नेपाल में वर्षों से दोहराई जा रही है।'

प्रधानमंत्री दहल को ऐसे अवसरवादी खेल का सबसे माहिर खिलाड़ी बताया जा रहा है। पर्यवेक्षकों ने ध्यान दिलाया है कि पिछले नवंबर में हुए आम चुनाव में माओइस्ट सेंटर को सिर्फ 32 सीटें मिली थीं। इसके बावजूद दहल ने प्रधानमंत्री बनने की ठान ली। इसके लिए पहले उन्होंने नेपाली कांग्रेस का साथ छोड़ा। ये बाजी हाथ से निकलने के बाद नेपाली कांग्रेस ने यूएमएल के नेतृत्व वाले गठबंधन को तोड़ने की चाल चली। पर्यवेक्षकों के मुताबिक दहल कभी भी केपी शर्मा ओली के साथ काम करने में सहज नहीं रहे हैं। इसलिए नेपाली कांग्रेस से उन्हें प्रधानमंत्री बनाए रखने का आश्वासन मिलते ही उन्होंने फिर पाला बदल लिया।

विश्लेषकों ने कहा है कि अगर सिर्फ 2017 के बाद से गठबंधनों के बनने और टूटने की घटनाओं पर ध्यान दिया जाए, तो यह साफ हो जाएगा कि नेपाली राजनीति में अवसरवादी दांव अपवाद नहीं, बल्कि आम बात हो गए हैं। महाराजन ने कहा– 'एक खास संदर्भ में बने गठबंधन राजनीतिक स्थिति बदलने से पहले ही टूट जाते हैं।'

खबरों के मुताबिक अब दहल, नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के प्रमुख माधव कुमार नेपाल के बीच मौजूदा प्रतिनिधि सभा के कार्यकाल में बारी–बारी से प्रधानमंत्री बनने पर सहमति बनी है। लेकिन इस पूरी अवधि तक यह गठबंधन टिका रहेगा, यह भरोसा किसी को नहीं है।

नेपाल में हाल की राजनीतिक घटनाओं से सिविल सोसायटी में गहरी नाराजगी की भावना देखी जा रही है। खास कर जिस तरह प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने दो महीने के अंतराल पर दो बार पलटी खाई, उससे राजनेताओं को लेकर असम्मान का भाव बढ़ा है। दहल ने बीते 25 दिसंबर को नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन छोड़ कर पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के समर्थन से नई सरकार बना ली थी। लेकिन अब वे यूएमएल का साथ छोड़ कर फिर नेपाली कांग्रेस के गठबंधन में चले गए हैं। दहल की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के साथ साथ यूएमएल के नेतृत्व वाले गठबंधन की तीन और पार्टियों ने भी पाला बदल लिया है।

नेपाल की त्रिभुवन यूनिवर्सिटी में राजनीति शास्त्र के प्रोफेसर राजेश गौतम ने कहा है कि हालिया घटनाओं के बारे में दो तरह की समझ रखी जा सकती है। पहली तो यह कि नेपाल में जिस तरह की चुनाव प्रणाली अपनाई गई है, उसमें किसी एक पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिलना लगभग असंभव है। जबकि देश के नेता गठबंधन की संस्कृति में ढल नहीं पाए हैं, इसलिए यहां गठबंधन ज्यादा समय तक टिक नहीं पाते। दिसंबर में सात दलों का गठबंधन प्रधानमंत्री कौन बनेगा, इस सवाल पर टूटा था। तब नेपाली कांग्रेस यह पद दहल को देने को तैयार नहीं थी।

अब यूएमएल के नेतृत्व वाला गठबंधन राष्ट्रपति चुनाव के मुद्दे पर टूटा है। दिसंबर में बनी सहमति के मुताबिक यह पद यूएमएल को मिलना था, लेकिन दहल इस वादे से मुकर गए। अब वे नौ मार्च को होने वाले इस चुनाव में नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार का समर्थन कर रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषक राजेंद्र महाराजन ने अखबार काठमांडू पोस्ट से कहा– 'जब नेता अपने गठबंधन के ऊपर अपने निजी स्वार्थ को तरजीह देते हैं, तो गठबंधन के टूटने का खतरा हमेशा बना रहता है। यही बात नेपाल में वर्षों से दोहराई जा रही है।'

प्रधानमंत्री दहल को ऐसे अवसरवादी खेल का सबसे माहिर खिलाड़ी बताया जा रहा है। पर्यवेक्षकों ने ध्यान दिलाया है कि पिछले नवंबर में हुए आम चुनाव में माओइस्ट सेंटर को सिर्फ 32 सीटें मिली थीं। इसके बावजूद दहल ने प्रधानमंत्री बनने की ठान ली। इसके लिए पहले उन्होंने नेपाली कांग्रेस का साथ छोड़ा। ये बाजी हाथ से निकलने के बाद नेपाली कांग्रेस ने यूएमएल के नेतृत्व वाले गठबंधन को तोड़ने की चाल चली। पर्यवेक्षकों के मुताबिक दहल कभी भी केपी शर्मा ओली के साथ काम करने में सहज नहीं रहे हैं। इसलिए नेपाली कांग्रेस से उन्हें प्रधानमंत्री बनाए रखने का आश्वासन मिलते ही उन्होंने फिर पाला बदल लिया।

विश्लेषकों ने कहा है कि अगर सिर्फ 2017 के बाद से गठबंधनों के बनने और टूटने की घटनाओं पर ध्यान दिया जाए, तो यह साफ हो जाएगा कि नेपाली राजनीति में अवसरवादी दांव अपवाद नहीं, बल्कि आम बात हो गए हैं। महाराजन ने कहा– 'एक खास संदर्भ में बने गठबंधन राजनीतिक स्थिति बदलने से पहले ही टूट जाते हैं।'

खबरों के मुताबिक अब दहल, नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के प्रमुख माधव कुमार नेपाल के बीच मौजूदा प्रतिनिधि सभा के कार्यकाल में बारी–बारी से प्रधानमंत्री बनने पर सहमति बनी है।

MEDIA NEWS
हम बनेंगे आपकी आवाज
झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक
आवश्यकता है
उत्तर प्रदेश व अन्य प्रदेश मे
कार्य करने हेतु लोगो की
आवश्यकता है
संपर्कः– 277/129 चकिया जगमल का हाता
जनपद प्रयागराज पिन कोड 211016
उत्तर प्रदेश
9918366626 , 9140343290

पहले दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 156 4, भारत से 47 रन आगे

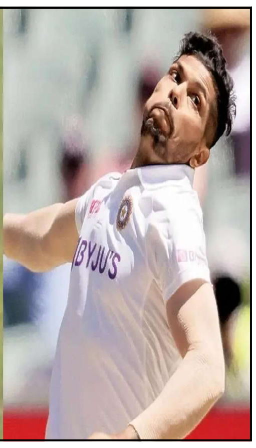

इंदौर टेस्ट में पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में चार विकेट पर 156 रन बना लिए हैं। भारत ने पहली पारी में 109 रन बनाए थे। इस लिहाज से ऑस्ट्रेलियाई टीम अब तक 47 रन की बढ़त ले चुकी है। मैच के दूसरे दिन भारत की कोशिश जल्द से जल्द ऑस्ट्रेलिया की पारी खत्म करने की होगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया टीम पहली पारी में ही बड़ी बढ़त लेकर मैच में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहेगी।

मैच में पहले दिन क्या हुआ?

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। रोहित और गिल की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 27 रन जोड़े। कप्तान रोहित बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में 12 रन के स्कोर पर स्टंप आउट हो गए। इसके बाद विकेटों की झड़ी लग गई। गिल 21, पुजारा एक और कोहली 22 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस खाता भी नहीं खोल पाए। भरत ने 17 और अक्षर ने 12 रन की पारी खेल भारत को थोड़ी बेहतर स्थिति में पहुंचाया। अश्विन तीन रन बनाकर आउट हुए और उमेश ने 17 रन की पारी खेल भारत का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। सिराज खाता खोले बिना ही रन आउट हो गए और भारतीय पारी 109 रन पर सिमट गई।

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया का पहला विकेट 12 रन पर गिर गया था। रवींद्र जडेजा ने ट्रेविस हेड को विकेटों के सामने फंसा कर भारत को पहली सफलता दिलाई थी। हालांकि, इसके बाद ख्वाजा और लाबुशेन ने 96 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को मैच में काफी आगे कर दिया। लाबुशेन 31 और ख्वाजा 60 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान स्मिथ ने 26 रन बनाए। पीटर हैंड्सकॉम्ब सात और कैमरून ग्रीन छह रन बनाकर क्रीज पर हैं। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 47 रन की बढ़त मिल चुकी है। भारत के लिए सभी चार विकेट रवींद्र जडेजा ने लिए हैं।

चार विकेट के नुकसान पर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 150 रन के पार जा चुका है। कैमरून ग्रीन और पीटर हैंड्सकॉम्ब क्रीज पर हैं। भारत के लिए सभी चार विकेट रवींद्र जडेजा ने लिए हैं। अब टीम इंडिया की कोशिश ऑस्ट्रेलिया को छोटे स्कोर पर समेटने की होगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में बड़ी बढ़त लेने की कोशिश करेगा।

146 रन के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया का चौथा विकेट गिरा है। स्टीव स्मिथ को रवींद्र जडेजा ने विकेटकीपर श्रीकर भरत के हाथों कैच कराया। स्मिथ ने 38 गेंद में 26 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने इस पारी में चार विकेट गंवाए हैं और सभी जडेजा के ही नाम रहे हैं। अब पीटर हैंड्सकॉम्ब के साथ कैमरून ग्रीन क्रीज पर हैं। 50 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 151 रन है।

तीन विकेट के नुकसान पर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 150 रन के करीब पहुंच गया है। स्टीव स्मिथ और पीटर हैंड्सकॉम्ब क्रीज पर हैं। दोनों संभलकर बल्लेबाजी कर रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया को बड़े स्कोर तक ले जाने की कोशिश कर रहे हैं।

125 रन के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया का तीसरा विकेट गिरा है। रवींद्र जडेजा ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई है। ख्वाजा ने 147 गेंद में 60 रन बनाए। शुभमन गिल ने उनका कैच पकड़ा। अब स्टीव स्मिथ के साथ पीटर हैंड्सकॉम्ब क्रीज पर हैं।

इंदौर टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बढ़त ले ली है। कंगारू टीम का स्कोर दो विकेट के नुकसान पर 110 रन के पार जा चुका है। स्टीव स्मिथ और उस्मान ख्वाजा क्रीज पर हैं। दोनों संभलकर बल्लेबाजी कर रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में बड़ी बढ़त दिलाने की कोशिश कर रहे हैं।

108 रन के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट गिरा है। मार्नस लाबुशेन 91 गेंद में 31 रन बनाकर आउट हो चुके हैं। रवींद्र जडेजा ने उन्हें क्लीन बोल्ड किया। अब उस्मान ख्वाजा के साथ स्टीव स्मिथ क्रीज पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की अभी भी भारत के स्कोर से एक रन पीछे है, लेकिन उसके आठ विकेट बचे हुए हैं। अब कंगारू टीम की कोशिश पहली पारी में बड़ी बढ़त लेने की होगी। 35 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 108 रन है।

एक विकेट के नुकसान पर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 100 रन के पार जा चुका है। उस्मान ख्वाजा अर्धशतक लगाकर खेल रहे हैं। वहीं, मार्नस लाबुशेन भी क्रीज पर जम गए हैं और अर्धशतक के करीब पहुंच रहे हैं। कंगारू टीम इस मैच में बेहद मजबूत स्थिति में आ गई है। अब ऑस्ट्रेलिया की कोशिश पहली पारी में बड़ी बढ़त लेकर भारतीय टीम में दबाव बनाने पर होगी।

उस्मान ख्वाजा ने टेस्ट क्रिकेट में अपना 21वां अर्धशतक पूरा कर लिया है। 102 गेंदों में उन्होंने अपने 50 रन पूरे किए। उनकी इस पारी में चार चौके शामिल थे। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया का स्कोर भी 100 रन के पार जा चुका है।

इंदौर टेस्ट में तीसरे सत्र का खेल शुरू हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन क्रीज पर हैं। दोनों के बीच शानदार साझेदारी हो चुकी है और मैच में ऑस्ट्रेलिया की पकड़ मजबूत है। ख्वाजा अपने अर्धशतक के करीब पहुंच गए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया का स्कोर एक विकेट पर 100 रन के करीब है।

चायकाल तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में एक विकेट गंवाकर 71 रन बना लिए हैं। फिलहाल उस्मान ख्वाजा 77 गेंदों में 33 रन और मार्नस लाबुशेन 51 गेंदों में 16 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। दोनों के बीच अब तक 123 गेंदों मं 59 रन की साझेदारी हो चुकी है। जिस इंदौर की पिच पर ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने कहर बरपाया, वहां भारतीय गेंदबाज विकेट को तरस गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स ने भारत की पहली पारी को तीन घंटे के अंदर समेट दिया था। वहीं, भारतीय गेंदबाज दो घंटे में ऑस्ट्रेलिया का सिर्फ एक विकेट गिरा पाए हैं।

जिस इंदौर की पिच पर ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने कहर बरपाया, वहां भारतीय गेंदबाज विकेट को तरस गए हैं। 21 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट पर 70 रन बना लिए हैं। फिलहाल उस्मान ख्वाजा 32 रन और मार्नस लाबुशेन 16 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। दोनों के बीच 50 रन की साझेदारी हो चुकी है।

ऑस्ट्रेलिया ने पांच ओवर के बाद एक विकेट गंवाकर 22 रन बना लिए हैं। फिलहाल उस्मान ख्वाजा नौ रन और मार्नस लाबुशेन एक रन बनाकर क्रीज पर हैं। चौथे ओवर में जडेजा ने लाबुशेन को क्लीन बोल्ड किया था, लेकिन यह नो बॉल निकली। इससे पहले जडेजा ने ट्रेविस हेड को एल्बीडब्ल्यू आउट किया था। अब तक स्पिनर्स इस मैच में 10 विकेट ले चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया को 12 के स्कोर पर पहला झटका लगा। रवींद्र जडेजा ने पारी के दूसरे ओवर में ही ट्रेविस हेड को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। हेड छह गेंदों में नौ रन बना सके। फिलहाल उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन क्रीज पर हैं।

भारत की पहली पारी 109 रन पर खत्म हो गई। आज मैच शुरू होने के बाद से ही ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कहर बरपाया है। खासतौर पर ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स को खेलने में भारतीय बल्लेबाज नाकाम रहे। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स ने नौ विकेट झटके, जबकि आखिरी विकेट सिराज (0) रन आउट हुए।

पारी के पहले ही ओवर में मिचेल स्टार्क की गेंद पर रोहित शर्मा को दो जीवनदान मिला। इसके फायदा वह नहीं उठा सके और पहले विकेट के रूप में आउट हुए। रोहित 12 रन बना सके। इसके बाद तो विकेट की झड़ी लग गई। केएल राहुल की जगह खेल रहे शुभमन गिल कैच आउट हुए। वह 18 गेंदों में 21 रन बना सके।

इसके बाद चेतेश्वर पुजारा एक रन, रवींद्र जडेजा चार रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस अय्यर खाता भी नहीं खोल सके, जबकि विराट कोहली 52 गेंदों में 22 रन बना सके। श्रीकर भरत 30 गेंदों में 17 रन बनाकर आउट हुए। लंच तक भारत ने सात विकेट गंवाकर 84 रन बनाए थे।

लंच के बाद कुह्नेमैन ने रविचंद्रन अश्विन (3) और उमेश यादव को आउट किया। उमेश ने 13 गेंदों में एक चौका और दो छक्के की मदद से 17 रन की पारी खेली। सिराज रन आउट हुए, जबकि अक्षर 12 रन बनाकर नाबाद रहे।

बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमैन ने पहली बार पारी में पांच विकेट लिए, जबकि लियोन को तीन विकेट मिले। टॉड मर्फी को एक विकेट मिला। कुह्नेमैन ने रोहित, शुभमन, श्रेयस, अश्विन और उमेश को आउट किया। वहीं, पुजारा, जडेजा और भरत को लियोन ने पवेलियन भेजा। कोहली को टॉड मर्फी ने आउट किया।

109 रन भारत का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर चौथा लोएस्ट टोटल है। 1983 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वानखेड़े में भारत ने 104 रन, 2017 में पुणे में 105 रन, 2017 में पुणे में ही 107 रन और अब 109 रन बनाए हैं।

भारत को 108 के स्कोर पर नौवां झटका लगा। उमेश यादव 13 गेंदों पर 17 रन की मजेदार पारी खेलने के बाद आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में दो छक्के और एक चौका लगाया। कुह्नेमैन ने पांच विकेट ले लिए हैं। फिलहाल मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल क्रीज पर हैं।

भारत को लंच के बाद रविचंद्रन अश्विन के रूप में पहला झटका लगा। उन्हें कुह्नेमैन ने विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच कराया। अश्विन तीन रन बना सके। फिलहाल उमेश यादव और अक्षर पटेल क्रीज पर हैं। 29 ओवर के बाद भारत का स्कोर आठ विकेट पर 88 रन है।

लंच तक भारत ने सात विकेट गंवाकर 84 रन बना लिए हैं। फिलहाल रविचंद्रन अश्विन एक रन और अक्षर पटेल छह रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। आज मैच शुरू होने के बाद से ही ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कहर बरपाया है। खासतौर पर ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स को खेलने में भारतीय बल्लेबाज नाकाम रहे हैं। पारी के पहले ही ओवर में मिचेल स्टार्क की गेंद पर रोहित शर्मा को दो जीवनदान मिला। इसके फायदा वह नहीं उठा सके और पहले विकेट के रूप में आउट हुए। रोहित 12 रन बना सके।

इसके बाद तो विकेट की झड़ी लग गई। केएल राहुल की जगह खेल रहे शुभमन गिल कैच आउट हुए। वह 18 गेंदों में 21 रन बना सके। इसके बाद चेतेश्वर पुजारा एक रन, रवींद्र जडेजा चार रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस अय्यर खाता भी नहीं खोल सके, जबकि विराट कोहली 52 गेंदों में 22 रन बना सके। श्रीकर भरत 30 गेंदों में 17 रन बनाकर आउट हुए। बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमैन और नाथन लियोन ने तीन–तीन विकेट लिए। कुह्नेमैन ने रोहित, शुभमन और श्रेयस को आउट किया। वहीं, पुजारा, जडेजा और भरत को लियोन ने पवेलियन भेजा। कोहली को टॉड मर्फी ने आउट किया।

भारत को पारी के 25वें ओवर में सातवां झटका लगा। श्रीकर भरत 30 गेंदों में 17 रन की पारी खेलने के बाद एल्बीडब्ल्यू आउट हुए। लियोन ने उन्हें पवेलियन भेजा। अपनी पारी में भरत ने एक चौका और एक छक्का लगाया। फिलहाल रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल क्रीज पर हैं। 25 ओवर के बाद भारत का स्कोर सात विकेट पर 82 रन है।

22 ओवर में भारत ने छह विकेट गंवाकर 71 रन बना लिए हैं। विराट कोहली 22 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें टॉड मर्फी ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया। कोहली ने आउट होने से पहले 52 गेंदें खेलीं। अपनी पारी में उन्होंने दो चौके लगाए। फिलहाल श्रीकर भरत और अक्षर पटेल क्रीज पर हैं।

भारत ने आज मैच शुरू होने के एक घंटे के अंदर पांच विकेट गंवा दिए हैं। भारत का स्कोर फिलहाल 45 रन है। साढ़े नौ बजे मैच की शुरुआत हुई थी और साढ़े 10 बजे तक रोहित शर्मा (12), शुभमन गिल (21), चेतेश्वर पुजारा (1), रवींद्र जडेजा (4) और श्रेयस अय्यर (0) पवेलियन लौट चुके हैं। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स अब तक मैच में हावी रहे हैं। मैथ्यू कुह्नेमैन ने रोहित, शुभमन और श्रेयस को आउट किया। वहीं नाथन लियोन ने चेतेश्वर पुजारा और रवींद्र जडेजा को आउट किया। फिलहाल विराट कोहली और केएस भरत क्रीज पर हैं।

भारत को पारी के नौवें ओवर में तीसरा झटका लगा। नाथन लियोन ने चेतेश्वर पुजारा को क्लीन बोल्ड किया। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में गेंद काफी टर्न हो रही है। भारतीय बल्लेबाज अब तक ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स को खेलने में नाकाम रहे हैं। नौ ओवर के बाद भारत का स्कोर तीन विकेट पर 40 रन है। सुबह साढ़े नौ में मैच शुरू हुआ था और 10रू15 तक आते–आते यानी 45 मिनट के अंदर भारत ने रोहित–शुभमन और पुजारा के विकेट गंवा दिए हैं। फिलहाल विराट कोहली और रवींद्र जडेजा क्रीज पर हैं। बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमैन ने भारत को शुरुआती दो झटके दिए हैं। उन्होंने पहले रोहित को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों स्टंप आउट कराया था। अब उन्होंने केएल राहुल की जगह टीम में मौका पाने वाले शुभमन गिल को स्टीव स्मिथ के हाथों कैच कराया। शुभमन 18 गेंदों में 21 रन बना सके। फिलहाल विराट कोहली और चेतेश्वर पुजारा क्रीज पर हैं। भारत का स्कोर दो विकेट पर

भारत को पारी के छठे ओवर में 27 के कुल स्कोर पर पहला झटका लगा। कप्तान रोहित मिले दो जीवनदान को भुना नहीं सके। उन्हें मैथ्यू कुह्नेमैन ने विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों स्टंप आउट कराया। रोहित बाएं हाथ के स्पिनर कुह्नेमैन की गेंद पर बड़े शॉट के लिए आगे बढ़े। गेंद टप्पा खाकर घूम गई और कैरी ने मौके को नहीं गंवाया। रोहित 23 गेंदों में 12 रन बना सके। फिलहाल शुभमन गिल और चेतेश्वर पुजारा क्रीज पर हैं।

भारत के लिए कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल ओपनिंग के लिए उतरे। मिचेल स्टार्क के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा को दो–दो जीवनदान मिला। पहली ही गेंद पर रोहित के बल्ले का किनारा लगा। पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपील की, लेकिन फील्ड अंपायर ने नकार दिया। इसके बाद कप्तान स्टीव स्मिथ रिव्यू के लिए नहीं गए। बाद में टीवी स्क्रीन पर रिप्ले पर दिखा कि गेंद ने उनके बल्ले का किनारा लिया था। इसके बाद चौथी गेंद पर गेंद जाकर रोहित के बैटिंग पैड पर लगी। स्टार्क ने अपील की, लेकिन बाकी खिलाड़ियों ने उनका साथ नहीं दिया। कप्तान स्मिथ फिर रिव्यू के लिए नहीं गए। बाद में रिप्ले में दिखा कि रोहित एल्बीडब्ल्यू आउट थे। अगर स्मिथ डीआरएस का इस्तेमाल करते तो दोनों मौकों पर रोहित आउट होते। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ और रोहित को जीवनदान मिला। चार ओवर के बाद भारत ने बिना विकेट गंवाए 22 रन हैं। रोहित आठ और शुभमन 14 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं।

भारतरू रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलियारू ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), पीटर हैंड्सकॉम्ब, कैमरन ग्रीन, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, टॉड मर्फी, नाथन लियोन , मैथ्यू कुह्नेमैन।

भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया है। कप्तान ने प्लेइंग–11 में दो बदलाव किए हैं। केएल राहुल और मोहम्मद शमी को बाहर कर दिया गया है। राहुल की जगह शुभमन गिल और शमी की जगह उमेश यादव को खेलने को मौका मिला है। वहीं, पैट कमिंस की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी कर रहे स्टीव स्मिथ ने भी प्लेइंग–11 में दो बदलाव किए हैं। कमिंस की जगह स्टार्क और वॉर्नर की जगह कैमरन ग्रीन को मौका दिया गया है। शमी की जगह उमेश खेलते दिखेंगे, रोहित ने कहा कि टीम मैनेजमेंट ने शमी को आराम दिया है

दोनों देशों के बीच इस फॉर्मेट में आंकड़ों की बात की जाए तो भारत और ऑस्ट्रेलिया टेस्ट में 104 मैचों मे आमने–सामने आ चुके हैं। इसमें से टीम इंडिया ने 32 और ऑस्ट्रेलिया ने 43 मैच जीते। एक मैच टाई और 28 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। भारत मे दोनों टीमे 52 टेस्ट में आमने–सामने आ चुकी हैं। टीम इंडिया ने 23 और ऑस्ट्रेलिया ने 13 मैचों में जीत हासिल की। 15 टेस्ट ड्रॉ रहे और एक मैच टाई रहा। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में दोनों टीमें पहली बार भिड़ेंगी।

इंदौर में टेस्ट जीतने के साथ ही भारत का इस टेस्ट सीरीज पर भी कब्जा हो जाएगा। ऐसा हुआ तो टीम इंडिया की यह अपने घर में लगातार 16वीं टेस्ट सीरीज जीत होगी। टीम 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज हारने के बाद से कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी है।

उस्मान ख्वाजा के साथ ट्रेविस हेड के ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है। ख्वाजा ने दिल्ली में 81 रन की पारी खेली थी और हेड ने अपनी आक्रामक शैली से स्पिनरों पर दबाव बनाया था। उनके प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन की औसत दो मैचों में 30 से कम की रही है और उनके बड़े योगदान के बिना ऑस्ट्रेलिया के पलटवार करने की संभावना कम ही नजर आती है। ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क दोनों फिट हो चुके हैं। दोनों तीसरे टेस्ट में उतर सकते हैं। मेहमान टीम तीन स्पिनर्स नाथन लियोन, टॉड मर्फी और मैथ्यू कुह्नमैन के साथ उतर सकती है।

शर्मिला को आई शुरुआती दिनों की याद, बोलीं– लोग सैफ से पूछते थे कि एक्टर बनोगे या क्रिकेटर ?

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर जल्द ही फिल्म 'गुलमोहर' से अपना ओटीटी डेब्यू करने वाली हैं। इस फिल्म के जरिए वह लंबे समय बाद एक्टिंग करियर में वापसी करेंगी। हाल ही में, एक इंटरव्यू में शर्मिला ने अपने बेटे सैफ अली खान के बारे में बात की है और बताया है कि कैसे उनके पोते तैमूर और जेह अली खान का बचपन उनके पिता से बिल्कुल अलग है।

शर्मिला ने एक इंटरव्यू में बताया कि जब सैफ को मीडिया लाइमलाइट का सामना करना पड़ता था तो उन्हें बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था। करीना कपूर के साथ सैफ के बेटों को मीडिया और फैंस का काफी अटेंशन मिलता है, लेकिन यह देखना अभी बाकी है कि लंबे समय में उन पर इसका क्या असर पड़ता है। यही नहीं शर्मिला ने सैफ के बचपन की बातें भी साझा की और बताया कि कैसे सैफ का बचपन तैमूर और जेह के बचपन से बिल्कुल अलग था ।शर्मिला ने बताया, 'जब भी सैफ मीडिया के सामने जाते थे तो लोग सैफ के गाल खींचते थे और पूछते थे श्बड़े होकर क्या बनोगे बेटा? क्रिकेटर बनोगे या एक्टर। सैफ इसके जवाब में कहते थे कि वह हॉकी स्टार बनेंगे। सैफ को यह सब बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था, लेकिन यह अलग बात है। मैंने सारा से सीखा है कि आपको इन चीजों को बिना लड़े एक्सेप्ट करने की जरूरत है, क्योंकि यही सच्चाई है। दिक्कत यहां आ जाती है कि मीडिया को देखते ही आज–कल के बच्चे खुद को बहुत अहम और खास महसूस करते हैं और वह इस गलतफहमी से कैसे निकलेंगे हम नहीं जानते। उन्हें यह समझने की जरूरत है कि यह उनकी उपलब्धि नहीं है, बल्कि उनके माता–पिता की है।'

आपको बता दें कि शर्मिला जल्द ही मनोज बाजपेयी के साथ 'गुलमोहर' में नजर आएंगी। यह फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी और इस फिल्म के जरिए शर्मिला ओटीटी पर डेब्यू करने जा रही है। इस फिल्म में शर्मिला मनोज की मां की भूमिका निभाती नजर आएंगी हैं। इस फिल्म में उनके साथ सिमरन और सूरज शर्मा भी मुख्य भूमिका में हैं।

इस भारतीय कपल की कहानी पर आधारित है रानी की अगली फिल्म, असलियत जानकर दहल जाएगा दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी अपनी दमदार अदाकारी के लिए जानी जाती है। हाल ही में उनकी नई फिल्म मिसेज चौटर्जी वर्सेज नार्वे का ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसकी चर्चा इन दिनों हर ओर देखने को मिल रही है। फिल्म के ट्रेलर में रानी एक मां के रूप में नजर आई हैं, जिनके बच्चों को नार्वे के चाइल्ड वेलफेयर ने यह कह कर ले लिया है कि वह अपने बच्चों का ध्यान ठीक से नहीं रख पा रही हैं। इसके बाद से ही फिल्म में रानी के संघर्ष की शुरुआत और तमाम उतार चढ़ाव देखने को मिलते हैं। इस ट्रेलर के सामने आने के बाद हर किसी के मन में एक ही सवाल है कि सत्य घटना पर आधारित यह कहानी आखिर किसकी है। चलिए हम आपको बताते हैं।

यह फिल्म भारतीय कपल सागरिका भट्टाचार्य और अनुरूप भट्टाचार्य की जिंदगी से जुड़ी एक घटना के इर्द गिर्द बुनी गई है। इस कहानी की शुरुआत साल 2011 में होती है, जब यह कपल काम के सिलसिले में अपने बच्चो के साथ नार्वे में शिफ्ट हुआ। उस समय दोनों के दो बच्चे थे। उनकी बेटी ऐश्वर्या की उम्र एक साल और बेटे अभिज्ञान की उम्र तीन साल थी। वहां रहने के दौरान कपल पर नार्वे की चाइल्ड वेलफेयर सर्विसेज (सीडब्ल्यूएस) ने उनके दोनों बच्चों को फॉस्टर केयर में देने का दबाव बनाया था। सीडब्ल्यूएस के अधिकारियों ने आरोप लगाया था कि सागरिका ने एक बच्चे को थप्पड़ मारा था। साथ ही उन पर बच्चों को जबर्दस्ती खिलाने, ढ़ग के कपड़े न पहनाने और खेलने के लिए खिलौने उपलब्ध न करने के भी आरोप लगे थे।

इन आरोपों के बाद सीडब्ल्यूएस ने उन्हें फॉस्टर केयर में भेजने का फैसला किया था। साथ ही, यह भी तय किया गया था कि बच्चों के माता–पिता उनसे 18 साल की उम्र तक नहीं मिल सकेंगे। इस फैसले के बाद कपल और सीडब्ल्यूएस के बीच बच्चों की कस्टडी को लेकर कानूनी लड़ाई शुरू हुई। शुरुआत में भारत सरकार की तरफ से भी इस मामले में दखल दिया गया, लेकिन बाद में कपल को यह जंग अकेले ही लड़नी पड़ी। नवंबर 2012 में सागरिका को बड़ी कामयाबी मिली। वह साइकेट्रिक टेस्ट में पास हो गईं, जिसके बाद उन्हें बच्चों को साथ रखने की इजाजत मिल गई।

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव

RNI No.: UPHIN/2015/63182
दूरभष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा